दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-03 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 06 फरवरी 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

स्पीकर ओम बिरला का बड़ा दावा

पीएम मोदी पर हो सकता था हमला, इसलिए मैंने उन्हें लोकसभा आने से रोका

नई दिल्ली,(ए.)। लोकसभा में लगातार हो रहे हंगामे के बीच गुरुवार को एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया, जब लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दावा किया कि उन्होंने स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदन में आने से रोका था। स्पीकर का कहना था, कि उन्हें आशंका थी कि कांग्रेस के कुछ सांसद प्रधानमंत्री पर शारीरिक हमला कर सकते हैं, जिससे लोकतंत्र की मर्यादा को गंभीर ठेस पहुंचती।स्पीकर बिरला ने कहा कि बुधवार को लोकसभा में हालात बेहद अप्रत्याशित और चिंताजनक हो गए थे। उन्होंने बताया कि यदि प्रधानमंत्री उस दिन सदन में आते और कोई अप्रिय घटना हो जाती, तो यह संसद और लोकतंत्र दोनों के लिए शर्मनाक स्थिति होती। इसी कारण उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे सदन में न आएं। अंततः प्रधानमंत्री मोदी के जवाबी भाषण के बिना ही राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई।स्पीकर बिरला ने यह भी कहा, कि विपक्ष के कुछ सांसदों का आचरण लोकसभा के इतिहास में काले धब्बे के रूप में दर्ज हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कुछ सांसद किसी गलत हरकत की योजना बना रहे थे। इसी वजह से प्रधानमंत्री के भाषण को टालना पड़ा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 के बाद यह पहला मौका है जब राष्ट्रपति के अभिभाषण

पर चर्चा का जवाब प्रधानमंत्री नहीं दे सके और बिना उनके भाषण के ही धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया गया।

अपराजिता ने किया समर्थन

भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने भी स्पीकर बिरला के बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा को लेकर वास्तविक खतरा था और लोकसभा स्पीकर ने समय रहते सही निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए प्रधानमंत्री और देश की जनता को स्पीकर का आभार व्यक्त करना चाहिए।

विपक्ष ने आरोपों को खारिज किया

हालांकि विपक्ष ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने स्पीकर के दावे को गलत बताते हुए कहा कि यह पूरी तरह निराधार है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर तीन महिला सांसद प्रधानमंत्री के पास जाकर खड़ी हो गईं तो क्या इससे उनकी सुरक्षा को खतरा हो गया? प्रियंका गांधी ने मीडिया से सवाल किया कि वे सरकार से यह क्यों नहीं पूछते कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने क्यों नहीं दिया गया और इसके पीछे क्या आधार था।इस पूरे घटनाक्रम के बीच हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आखिर विपक्ष चाहता क्या है, प्रधानमंत्री का रास्ता रोकना, उन्हें घेर लेना? उन्होंने कहा कि संसद को जिस स्तर तक गिराया जा रहा है, उससे हर लोकतांत्रिक सोच रखने वाला व्यक्ति दुखी है। स्पीकर ओम बिरला ने अंत में सभी दलों से सदन की गरिमा बनाए रखने और कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने में सहयोग करने की अपील की।

रूस और वेनेजुएला से कच्चे तेल की खरीद पर भारत ने दिया बयान, मामला पूरी तरह से किया साफ

नई दिल्ली (आरएनएस)। रूस और वेनेजुएला से कच्चे तेल की खरीद को लेकर उठ रहे सवालों के बीच भारत सरकार ने एक बार फिर अपना रुख साफ कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि देश की सबसे बड़ी प्राथमिकता 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा है और इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भारत कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति के लिए विभिन्न देशों के विकल्पों पर लगातार काम करता है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत की पूरी ऊर्जा नीति का केंद्र बिंदु एक ही है—देश को निरंतर, भरोसेमंद और किफायती ऊर्जा उपलब्ध कराना। इसी कारण भारत किसी एक देश पर निर्भर रहने के बजाय अपने ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण (डायवर्सिफिकेशन) कर रहा है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार की स्थिति और बदलते वैश्विक हालात के अनुरूप भारत अपनी ऊर्जा रणनीति को लगातार ढालता रहता है।

वेनेजुएला से पुराने संबंध

विदेश मंत्रालय ने बताया कि वेनेजुएला लंबे समय तक भारत का अहम ऊर्जा साझेदार रहा है। वित्त वर्ष 2019-20 तक वह भारत को कच्चा तेल आपूर्ति करने वाले प्रमुख देशों में शामिल था। हालांकि, उस दौरान लगाए गए अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के चलते भारत को वेनेजुएला से तेल आयात रोकना पड़ा।

एसआईआर के कारण मारे गए 107 लोग, बंगाल विधानसभा में पारित हुआ प्रस्ताव

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर एक अहम प्रस्ताव पारित किया गया। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर फैली आशंका और मानसिक तनाव के चलते राज्य में अब तक 107 लोगों की मौत हो चुकी है।

विधानसभा में पेश प्रस्ताव में कहा गया है कि आगामी विधानसभा चुनावों से पहले चल रही एसआईआर प्रक्रिया ने आम लोगों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। टीएमसी का दावा है कि बड़ी संख्या में लोगों को यह आशंका सता रही है कि यह प्रक्रिया राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) का ही एक अप्रत्यक्ष रूप है, जिसके जरिए उनके नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं और नागरिकता पर सवाल खड़े हो सकते हैं। प्रस्ताव के अनुसार, दस्तावेजों की कमी या मतदाता सूची से नाम कटने के डर के कारण उत्पन्न मानसिक तनाव से कई लोगों की मौत हुई है, जिनमें आत्महत्या के मामले भी शामिल बताए गए हैं।

अजित पवार की विमान दुर्घटना को लेकर बड़ा अपडेट, ब्लैक बॉक्स से डेटा निकालने की प्रक्रिया शुरू

पुणे (आरएनएस)। अजित पवार की विमान दुर्घटना के मामले में गुरुवार को ताजा अपडेट सामने आया है। दुर्घटनाग्रस्त विमान के ब्लैक बॉक्स से जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया आधिकारिक तौर पर शुरू कर दी गई है। संबंधित एजेंसियां पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही हैं और ब्लैक बॉक्स से मिलने वाले डेटा को बेहद अहम माना जा रहा है।

ताजा जानकारी के मुताबिक, ब्लैक बॉक्स से महत्वपूर्ण तकनीकी डेटा और उड़ान से जुड़े रिकॉर्ड को निकालने का काम किया जा रहा है, जो इस हादसे की वजहों को समझने में निर्णायक साबित होगा। बताया जा रहा है कि ब्लैक बॉक्स में विमान की अंतिम गतिविधियों, तकनीकी स्थिति, पायलट और एयर ट्रैफिक कंट्रोल के बीच हुई बातचीत समेत कई अहम जानकारियां दर्ज होती हैं। इन्हीं सूचनाओं के विश्लेषण के आधार पर यह स्पष्ट हो सकेगा कि दुर्घटना तकनीकी खामी के कारण हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी।डेटा रिकवरी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की ओर से एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की जाएगी। इस रिपोर्ट में दुर्घटना के कारणों, घटनाक्रम और जिम्मेदार कारकों पर स्पष्ट जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

ऑपरेशन सिंदूर की तर्ज पर पाकिस्तान बॉर्डर के पास फिर गरजेंगे भारतीय वायुसेना के फाइटर जेट

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। पाकिस्तान सीमा के पास एक बार फिर भारतीय वायुसेना के फाइटर जेट गरजते नजर आएंगे। ऑपरेशन सिंदूर की तर्ज पर 27 फरवरी को अभ्यास के लिए वायुसेना अपनी पूरी ताकत मैदान में उतारेगी। ऑपरेशन सिंदूर में अपना पराक्रम दिखा चुकी भारतीय वायुसेना अब पाकिस्तान सीमा के पास जैसलमेर में इस साल का पहला और सबसे बड़ा वायु सैन्य अभ्यास करने जा रही है। इस अभ्यास का नाम वायु शक्ति 2026 है। रक्षा अधिकारियों के मुताबिक, इस अभ्यास में वायुसेना के वेस्टर्न और साउथ वेस्टर्न कमांड के एयरबेस और उनके असेट्स हिस्सा ले रहे हैं। सभी यूनिट्स को पूरी तरह से एक्टिव कर दिया गया है। 100 से ज्यादा एयरक्राफ्ट इस अभ्यास में शिरकत करने वाले हैं।ऑपरेशन सिंदूर में शामिल वायुसेना के लगभग सभी लड़ाकू विमान और एयर डिफेंस सिस्टम इस अभ्यास में भाग लेंगे।

हम कोरियन लवर... आपकी मार से बढ़िया मौत लगेगी', गाजियाबाद में ट्रिपल सुसाइड केस में नए खुलासे

गाजियाबाद (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में साहिबाबाद स्थित भारत सिटी सोसायटी में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां तीन

नाबालिग बहनों ने इमारत की नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में पुलिस को मौके से आठ पन्नों का सुसाइड नोट मिला है, जिसमें तीनों बहनों ने अपनी मानसिक स्थिति और पारिवारिक परिस्थितियों का उल्लेख किया है।

पुलिस के अनुसार, तीनों बहनें लंबे समय से मोबाइल फोन पर कोरियन गेम्स और ड्रामा सीरियल देख रही थीं और धीरे-धीरे कोरियन संस्कृति से अत्यधिक प्रभावित हो गई थीं। उनका रहन-सहन, पहनावा, हेयर स्टाइल और व्यवहार भी उसी के अनुरूप हो गया था। करीब 15 दिन पहले पिता द्वारा मोबाइल फोन छीनकर बेच दिए जाने के बाद वे गहरे मानसिक तनाव में चली गईं। मंगलवार देर रात करीब पौने दो बजे तीनों ने नौवीं मंजिल स्थित फ्लैट की बालकनी से छलांग लगा दी।

मध्य प्रदेश में सर्दी का सितम जारी, 30 से ज्यादा जिलों में छाया घना कोहरा

- ग्वालियर-चंबल संभाग में कोहरे का असर सबसे ज्यादा

भोपाल, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के आधे से अधिक हिस्से में ठंड और कोहरे का असर बना हुआ है। गुरुवार सुबह राजधानी भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन सहित प्रदेश के 30 से ज्यादा जिलों में

हल्के से घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने कोहरे के चलते वाहन चालकों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है।मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में सक्रिय वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम के कारण प्रदेश के कई जिलों में बादल छाए रहे। पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी के चलते ठंडी हवाएं मैदानी क्षेत्रों तक पहुंच रही हैं, जिससे दिन में भी ठंडक बनी हुई है। पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में 8 फरवरी से एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा, जिसका असर मध्य प्रदेश में भी दिखाई देगा। इसके चलते 10 फरवरी से मावठे की बारिश होने की संभावना जताई गई है। बीते बुधवार को प्रदेश के कई हिस्सों में दिनभर ठंडी हवाएं चलती रहीं, जिससे ज्यादातर शहरों का अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। ग्वालियर-चंबल संभाग में कोहरे का असर सबसे ज्यादा देखने को मिला, जहां विजिबिलिटी घटकर 50 मीटर से भी कम रहने की आशंका है। ऐसे हालात में सड़क हादसों का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग का कहना है कि सुबह के समय अत्यावश्यक होने पर ही यात्रा करें। कोहरे के दौरान वाहन चलाते समय गति कम रखें और फॉग लाइट का उपयोग जरूर करें। शुक्रवार को भी प्रदेश के कई इलाकों में कोहरा छाए रहने का अलर्ट जारी किया गया है।

रोहित शेट्टी फायरिंग से फैला बॉलीवुड में खौफ, पांच बड़ी हस्तियों को मिली धमकी

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई की फिल्म इंडस्ट्री एक बार फिर डर और दहशत के साए में है। जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के करीबी सहयोगी और फरार अपराधी शुभम लोनकर का नाम सामने आने के बाद पुलिस सतर्क हो गई है। मुंबई पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, शुभम लोनकर ने बॉलीवुड की कम से कम पांच बड़ी हस्तियों को निशाने पर लिया है और उनसे रंगदारी वसूलने के लिए धमकी भरे कॉल किए गए हैं।

हालांकि, डर के माहौल के चलते अभी तक किसी भी फिल्मी हस्ती ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। दरअसल, पिछले रविवार को मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के जुहू स्थित बंगले पर फायरिंग की गई थी। मामले में मास्टरमाइंड के तौर पर शुभम लोनकर का नाम सामने आया। इस घटना ने पूरे फिल्म जगत को हिला कर रख दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस को खुफिया जानकारी मिली है कि कई फिल्मी सितारों को धमकी भरे फोन कॉल आए हैं, लेकिन किसी ने भी सामने आकर शिकायत दर्ज नहीं कराई है। ऐसे में पुलिस के लिए खुद से कार्रवाई करना बेहद मुश्किल है।

इस बीच, शुभम लोनकर की एक सोशल मीडिया पोस्ट भी पुलिस के हाथ लगी है। इस पोस्ट में उसने खुले तौर पर रोहित शेट्टी को धमकी दी थी। पोस्ट में लोनकर ने लिखा, राम-राम, जय बजरंग बली। हमने रोहित शेट्टी को कई बार मैसेज कर हमारे काम में दखल न देने को कहा था, लेकिन वह नहीं समझे। यह तो सिर्फ 'ट्रेलर' था। अगर अब भी नहीं माने, तो अगली गोली घर के बाहर नहीं, सीधे उनके सीने में लगेगी। यह पूरी बॉलीवुड इंडस्ट्री को चेतावनी है, वक्त रहते सुधर जाओ।हालांकि, खुद रोहित शेट्टी ने पुलिस को बताया है कि उन्हें किसी भी तरह का धमकी भरा कॉल या मैसेज नहीं मिला है।

विपक्ष के नेता को बोलने की इजाजत मिलनी चाहिए, आपत्तियों ने बड़ा मुद्दा खड़ा कर दिया : शशि थरूर

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को संसद में बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए। राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान उनकी टिप्पणियों पर उठाई गई आपत्तियों ने एक बड़ा संसदीय मुद्दा खड़ा कर दिया है। हंगामे पर प्रतिक्रिया देते हुए थरूर ने कहा कि विपक्ष के नेता केवल ऐसी बातें कह रहे थे, जो पहले से ही सार्वजनिक थीं। उन्होंने कहा, विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए। वह एक ऐसे मामले का जिक्र कर रहे थे जो पहले ही किसी मैगजीन में प्रकाशित हो चुका था। यह कोई अनपब्लिश्ड चीज नहीं थी। वह बस अपनी बात कहना चाहते थे और फिर राष्ट्रपति के अभिभाषण में अन्य मुद्दों पर चर्चा करना चाहते थे। इतनी बड़ी आपत्ति उठाकर और उन्हें बोलने न देकर एक बड़ी समस्या खड़ी कर दी गई। कांग्रेस नेता ने हाल ही में लगी चोट के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुधवार को संसद परिसर के बाहर गिरने से उन्हें हेयरलाइन फ्रैक्चर हो गया है।थरूर ने कहा, कल, जब मैं संसद से बाहर आया, तो मैं गिर गया। बदकिस्मती से, मुझे हेयरलाइन फ्रैक्चर हो गया।चोट लगने के बावजूद, थरूर ने कहा कि वह संसद और अपना सरकारी काम जारी रखेंगे।

यूपीएससी ने जारी किया सिविल सेवा परीक्षा 2026 का नोटिफिकेशन, आईएएस और आईपीएस के लिए बदले नियम; जानिए क्या है नया प्रावधान

नई दिल्ली (आरएनएस)। संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) ने देश की सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा 2026 की अधिसूचना जारी कर दी है। आयोग ने इस बार कुल 933 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं, जिसके तहत आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और आईआरएस जैसी सेवाओं में अधिकारियों का चयन किया जाएगा। इच्छुक उम्मीदवार आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर 24 फरवरी तक आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस बार आयोग ने पात्रता नियमों और परीक्षा के प्रयासों (Attempts) को लेकर बड़े और सख्त बदलाव किए हैं, जिसका सीधा असर उन अभ्यर्थियों पर पड़ेगा जो पहले से किसी सेवा में चयनित हैं।नए नियमों के तहत आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि जो उम्मीदवार पिछली परीक्षाओं के आधार पर भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) या भारतीय विदेश सेवा (IFS) में नियुक्त हो चुके हैं और सेवा में कार्यरत हैं, वे 2026 की परीक्षा में शामिल होने के पात्र नहीं होंगे।

पतंगबाजी करने वाले सावधान! इस राज्य में चाइनीज डोर पर सरकार ने लगाया बैन, मौत होने पर चलेगा हत्या का मुकदमा

लखनऊ ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में चाइनीज़ मांझे पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। लगातार सामने आ रही दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह निर्णय लिया है। इसके तहत अब प्रदेश में चाइनीज़ मांझे के इस्तेमाल, बिक्री और भंडारण पर पूर्ण रोक रहेगी।

मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि चाइनीज़ मांझे की बिक्री और उपलब्धता रोकने के लिए पूरे प्रदेश में सघन छापेमारी अभियान चलाया जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सीएम योगी ने यह भी कहा है कि चाइनीज़ मांझे के कारण यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है, तो उस मामले को हत्या की श्रेणी में माना जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश स्तर पर चल रहे इस अभियान की उच्च स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए, ताकि प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके।

भारत को हिंदुत्व पर गर्व है और हिंदुत्व ही राष्ट्रत्व है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश की धरा से आदि शंकराचार्य जी का रहा है विशेष संबंध भारत माता मंदिर समाज और राष्ट्र में ऊर्जा का कर रहा है संचार

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन संस्कृति को नए आयाम तक पहुंचाने में आदि शंकराचार्य का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। मध्यप्रदेश की धरा से आदि शंकराचार्य जी का विशेष संबंध रहा है। वैचारिक स्तर पर भारत को हिंदुत्व पर गर्व है, हिंदुत्व ही राष्ट्रत्व है। सनातन की धारा शाश्वत रूप से बहती रहे, इस उद्देश्य से संतवृंद और सरकार समन्वित रूप से प्रयासरत है। हरिद्वार में समन्वय सेवा ट्रस्ट द्वारा स्थापित भारत माता मंदिर समाज और राष्ट्र में ऊर्जा का संचार कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को हरिद्वार में समन्वय सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित गुरुदेव समाधि मंदिर मूर्ति स्थापना समारोह के अंतर्गत संत सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

संत महात्माओं को दिया सिंहस्थ-2028 का निमंत्रण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदि शंकराचार्य जी की परंपरा के संवाहक, वैदिक सनातन संस्कृति के उन्नायक, देश के प्रथम भारत माता मंदिर के संस्थापक पद्मभूषण स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार भव्य और दिव्य सिंहस्थ के आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाओं और विकास कार्यों पर ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी संत महात्माओं को सिंहस्थ-2028 के लिए उज्जैन पधारने के लिए निमंत्रण दिया।जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने कहा कि संतवृंद के आशीर्वाद से देश में पिछले वर्षों में हुआ बदलाव अद्भुत है। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो गया है और तेजी से

एक विकसित राष्ट्र के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर, वॉटरवेज, हाई स्पीड रेल, हाईवेज से देश की युवा शक्ति और अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार मिली है। देश की बहनें, किसान, युवा सभी समावेशी विकास के मार्ग पर अग्रसर हैं। सांस्कृतिक समृद्धि, विरासत संरक्षण और धार्मिक पर्यटन में भी पूरे राष्ट्र में एक नई चेतना जागृत हुई है। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि संसार के दुखों का शमन केवल सत्संग से ही संभव है। हमारे प्राचीन ग्रंथ और संतों का साथ व्यक्ति को नया जीवन और दृष्टि देने में सक्षम है। संतगण वे आत्माएं हैं जिनके चरित्र शांत और उदार हैं। दूसरों का भला करने के उद्देश्य से ही संतगण की सभी गतिविधियों का संचालन होता है। भारत की पहचान सनातन से है, भारतीय संस्कृति ने मानवता का दिव्यकरण और दिव्यता का मानवीयकरण किया है। उन्होंने आदि शंकराचार्य के दर्शन पर भी अपने विचार रखें।उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि संत, महात्मा और धर्मगुरु सनातन चेतना के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने संतवृंद का उत्तराखंड की भूमि पर स्वागत करते हुए कहा कि संत श्री स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज ने देश की एकता और सांस्कृतिक समृद्धता के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके विचार नई पीढ़ी के लिए आध्यात्मिक जागरण का आधार बनेंगे। मंचीय कार्यक्रम राष्ट्रगान जन-गण-मन के सामूहिक गान के साथ का सम्पन्न हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने योगगुरू स्वामी रामदेव जी के साथ किया योगाभ्यास

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार में योगगुरु स्वामी रामदेव जी के साथ योगाभ्यास किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में योग आज भारत की प्राचीन परंपरा से निकलकर वैश्विक जन-आंदोलन बन चुका है। हम सभी योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और स्वस्थ, संतुलित व ऊर्जावान जीवन की ओर कदम बढ़ाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पतंजलि योगपीठ के वातावरण से प्रभावित होकर कहा कि योगपीठ का संस्कार, साधना और आत्मबल से परिपूर्ण वातावरण मन को अपार शांति प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीमती मेघवाल के निधन पर किया दुःख व्यक्त

भोपाल(ए)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नीमच जिले के ग्राम रामपुर की निवासी श्रीमती कंचन बाई मेघवाल के असामयिक निधन पर दु:ख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीमती मेघवाल के परिवार को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता देने और उनके बच्चों के अध्ययन का खर्च राज्य सरकार द्वारा किए जाने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि श्रीमती मेघवाल का नीमच जिले के ग्राम रामपुर में आंगनबाड़ी केंद्र के निकट मधुमक्खियों का हमला होने एवं स्वास्थ्य बिगड़ जाने के पश्चात निधन हो गया।

मंत्रालय के मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री शर्मा अति-उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित

भोपाल(ए)। मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल में पदस्थ मुख्य सुरक्षा अधिकारी/सहायक पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) अविनाश शर्मा को वर्ष 2025 के लिए केन्द्रीय गृहमंत्री का अति-उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। श्री शर्मा को उनकी दीर्घकालीन, निष्ठावान एवं अति-उत्कृष्ट सेवाओं के लिए यह पदक दिया गया है। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 के लिए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी सराहनीय, अनुकरणीय एवं अति-उत्कृष्ट सेवाओं के लिए केन्द्रीय गृहमंत्री का अति-उत्कृष्ट सेवा पदक एवं उत्कृष्ट सेवा पदक प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है।श्री अविनाश शर्मा ने मंत्रालय की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, महत्वपूर्ण शासकीय प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा कर्तव्यनिष्ठा के साथ उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदान करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनका यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत समर्पण का प्रतीक है, बल्कि मध्यप्रदेश पुलिस एवं मंत्रालय सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी गौरव का विषय है।

भोपाल में दहशत फैलाने वाला सीरियल कटर मैन का खौफ खत्म, हुआ गिरफ्तार

- डेढ सौ से ज्यादा पुलिस जवानो,अफसरो की बनी 40 टीमें जुटी थी तलाश में
- 30 हजार का था इनाम, 900 से अधिक सीसीटीवी खंगालने पर मिला सुराग

भोपाल(ए)। राजधानी भोपाल में पिछले कुछ दिनों से युवतियों पर कटर से हमला कर दहशत फैलाने वाले सीरियल कटर मैन का खौफ पुलिस ने खत्म करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया है। पिपलानी और अयोध्या नगर में युवतियों पर पीछे से वार कर चार वारदातों को अंजाम देने वाले इस आरोपी को पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में घेराबंदी कर उस समय दबोच लिया जब वह एक और वारदात को अंजाम देने के लिये शिकार की तलाश में निकला था।

- पत्नि से झगड़े के बाद हिंसक होकर करता था हमला

पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान देवेन्द्र अहिरवार पिता हरज्ञान अहिरवार (37) निवासी घसेरा मोहल्ला राहतगढ जिला सागर हाल पता, पुजा कालोनी करोंद थाना निशातपुरा भोपाल के रुप में हुई है। वह 8 वीं तक पढ़ा है, और यहॉ रहकर मजदूरी करते हुए मिक्सर मशीन चलाने का काम करता है। तथा यहां पर निशातपुरा इलाके में किराए के मकान में पत्नी और बच्चों के साथ रहता है। शुरुआती जॉच में सामने आया है, कि आरोपी की अपनी पत्नी से झगड़े के बाद आरोपी की हालत मानसिक रूप से अस्थिर हो जाती थी,(ऐसी हालत के व्यक्ति को साइको भी कहा जाता है)। जिसके बाद वह हिसंक होकर अकेली युवतियों पर कटर से हमला कर अपना गुस्सा उतार रहा था। बदमाश ने 29 जनवारी की रात 9.30 से 11.30 बजे के बीच सोनागिरी, इंद्रपुरी थाना पिपलानी तथा नरेला जोड

थाना अयोध्यानगर क्षेत्र में 4 लडकियों को निशाना बनाते हुए उन पर कटर से हमला कर घायल किया था। जिनमें दो कॉलेज छात्रॉओ सहित एक स्कूली छात्रा शामिल थी, एक महिला मामूली रुप से घायल हुई थी।घटनाओ में पिपलानी और अयोध्या नगर थाने में अलग अलग 4 मामले दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु की गई। शहर के चारो जोन स्तर सहित क्राइम ब्रांच के लगभग 150 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारियो की 40 टीमों ने900 से अधिक सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाले। इसके साथ ही चाकूबाजी एवं महिला संबधित अपराध में शामिल संदिग्धो सहित 600 पुराने बदमाशों की कुंडली खंगाली गई वहीं 100 संदिग्धों को राउंड अप कर पुछताछ की गई। लेकिन सुराग न मिलने पर अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी पर 30 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया।एक और जहॉ पुलिस टीमे हुलियें और बाइक के आधार पर जहॉ लगातार उसकी तलाश कर रही थी। आरोपी की लोकेशन की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने उसे दबोचने के लिये चौबीसो घंटे घात लगाये हुए थी। वहीं बदमाश घटना के बाद पुलिस से बचने घर में छुप गया था। जब कई दिनो तक पुलिस उस तक नहीं पहुचं सकी तब वह दोबारा नये शिकार की तलाश में निकला। इसी दौरान आरोपी सागर लेंडमार्क छोलामंदिर क्षेत्र अयोध्या बायपास पर टीम को देखकर कोच फैक्ट्री तरफ जंगल इलाके में भागा लेकिन पुलिस टीम ने उसे घेराबंदी कर धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी साइको मैन देवेन्द्र अहिरवार के कब्जे से पुलिस ने घटना मे इस्तेमाल किया गया कटर, मोटर साइकिल, कपडे जब्त किये है। पुलिस से बचने के लिये आरोपी मास्क पहनने के साथ ही बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल का इस्तेमाल करता था। आगे की जॉच में सामने आया की उसके पास मौजूद बिना नंबर की बाइक को बदमाश ने 4 महिने पहले करोंद सब्जी मंडी से चोरी किया था। सूत्रो के मुताबिक देवेंद्र अहिरवार का 29 जनवरी की रात पत्नी से विवाद हुआ था। इसके बाद बाइक पर सवार होकर निकला और भानपुर ब्रिज के रास्ते अयोध्या नगर और पिपलानी इलाके में पहुंचकर तीन छात्राओं और एक महिला पर कटर से हमला कर उन्हें घायल कर दिया।

मध्य प्रदेश विद्युत के क्षेत्र में पूर्णतः आत्मनिर्भर : ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किये जा रहे कार्यों से प्रदेश विद्युत के क्षेत्र में पूर्णत: आत्म निर्भर हो गया है।

मंत्री तोमर ने गुरुवार को बताया कि प्रदेश भविष्य में भी विद्युत के क्षेत्र में आत्म निर्भर बना रहे इसके लिये विद्युत उपलब्ध क्षमता में 1806 मेगावाट की वृद्धि का कार्यक्रम है। इसमें से 851 मेगावाट क्षमता वृद्धि हासिल की जा चुकी है। प्रदेश में गैर कृषि उपभोक्ताओं को लगभग 24 घंटे एवं कृषि उपभोक्ताओं को लगभग 10 घंटे प्रतिदिन विद्युत प्रदाय की जा रही है। उन्होंने कहा कि रबी मौसम में मकर संक्रांति पर्व पर 19895 मेगावाट की अधिकतम विद्युत मांग की सफलतापूर्वक पूर्ति की गई, जो प्रदेश के इतिहास में सर्वाधिक है। प्रदेश में पारेषण हानियां अब मात्र 2.60 प्रतिशत रह गई हैं, जो पूरे देश में न्यूनतम हानियों में से एक है। वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2029-2030 तक की अवधि में प्रदेश की पारेषण प्रणाली के सुदृढीकरण के लिये म.प्र. पॉवर ट्राँसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित 5163 करोड़ रुपये के पूंजीगत कार्यों का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

फिल्म 'घूसखोर पंडत' के विरोध में भोपाल की सड़कों पर उतरा ब्राह्मण समाज, टाइटल और डायलॉग पर जताई कड़ी आपत्ति

भोपाल,(ए.)। ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज होने जा रही फिल्म 'घूसखोर पंडत' को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में गुरुवार को ब्राह्मण समाज के विभिन्न संगठनों ने सड़कों पर उतरकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। डीबी मॉल के सामने एमपी नगर चौराहे पर हुए प्रदर्शन में बड़ी संख्या में समाज के लोग और बटुक भी शामिल हुए।प्रदर्शनकारियों ने फिल्म के शीर्षक और ट्रेलर में इस्तेमाल किए गए संवादों को लेकर कड़ा विरोध जताया और इसे ब्राह्मण समाज की छवि धूमिल करने का प्रयास बताया। इस दौरान निर्माताओं और कलाकारों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।ब्राह्मण संगठनों का कहना है कि फिल्म के ट्रेलर में बोले गए संवाद — ब्राह्मण लंगोट का ढीला होता है — बेहद आपत्तिजनक और अपमानजनक हैं। संगठन का आरोप है कि इस तरह के शब्दों का प्रयोग जानबूझकर समाज को नीचा दिखाने के लिए किया गया है। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज मध्य प्रदेश ने नेटफ्लिक्स इंडिया की डायरेक्टर रुचिका कपूर, फिल्म निर्माता नीरज पांडे और अभिनेता मनोज बाजपेयी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान 'मनोज बाजपेयी मुर्दाबाद' जैसे नारे भी लगाए गए। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि फिल्म के शीर्षक और संवादों में बदलाव नहीं किया गया और फिल्म रिलीज की गई, तो पूरे देश में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

दहेज प्रतिषेध बोर्ड 3 साल से कागजों में कैद..

लगभग 45 प्रतिशत प्रताडऩा के मामले बढ़े, समझाइश के बाद भी बिखर रहे परिवार

भोपाल (ए.)। जनसुनवाई में महिलाएं पति द्वारा दूसरी शादी, दहेज की मांग और मानसिक-शारीरिक प्रताडऩा की शिकायतें लेकर पहुंच रही हैं, लेकिन न्याय की उम्मीद लेकर आईं पीड़िताओं को राहत के बजाय

सिर्फ फाइलों की यात्रा कराई जा रही है। एक ओर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गठित दहेज प्रतिषेध बोर्ड पिछले तीन वर्षों से पूरी तरह निष्क्रिय पड़ा है, वहीं दूसरी ओर दहेज प्रताडऩा के मामले लगातार डराने वाली रफ्तार से बढ़ रहे हैं।

दहेज के बढ़ते मामलों और शिकायतों पर लगाई जा रहे सवालिया निशान और गंभीरता पर संज्ञान लेने के लिए केंद्र सरकार ने दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत हर जिले में बोर्ड का गठन तो किया गया लेकिन इस पर कोई प्रकरण समझाइए इसके लिए या जांच के लिए नहीं पहुंच सका है 3 साल से गठन के बावजूद भी बोर्ड बस्तों में बंद है। महिला थाना से प्राप्त आंकड़े हालात की गंभीरता को उजागर करते हैं। जनसुनवाई में आने वाले अधिकांश महिला प्रकरणों में अधिकारियों द्वारा शिकायतें संबंधित विभाग को भेज दी जाती हैं। इसके बाद ये मामले फैमिली काउंसलिंग या मध्यस्थता केंद्रों तक सीमित रह जाते हैं, जहां गंभीर अपराधों में भी समझौते का दबाव बनाया जाता है। पीड़ित महिलाओं का आरोप है कि दूसरी शादी और दहेज जैसे अपराधों में भी कानून के बजाय घर बचाने की सलाह देकर मामले रफा-दफा कर दिए जाते हैं। दहेज प्रतिषेध बोर्ड का गठन त्वरित राहत, निगरानी और बहु-विभागीय कार्रवाई के लिए किया गया था, लेकिन हकीकत यह है कि तीन वर्षों में न बोर्ड की बैठक हुई, न नियम तय हुए, न कार्यप्रणाली बनी और न ही एक भी शिकायत औपचारिक रूप से बोर्ड तक पहुंची। बढ़ते अपराधों के बीच बोर्ड के निष्क्रिय रहने से प्रशासन के पास फिलहाल केवल दो ही विकल्प बचे हैं। गंभीर मामलों में पीड़िताओं को सीधे पुलिस कार्रवाई का रास्ता अपनाना पड़ता है।

ड्रोन स्क्वाड से होगी वन और वन्य जीवों की निगरानी

भोपाल (ए.)। वन एवं वन्यजीवों की प्रभावी निगरानी और संरक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य सेधार वनमंडलद्वारा एक विशेषड्रोन स्क्वाड का गठन किया गया है। आधुनिक तकनीक से लैस यह पहल वन प्रबंधन और आपात परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई को सक्षम बनाएगी। ड्रोन स्क्वाड में दो उन्नत ड्रोन, पर्याप्त बैटरी बैकअप और आपात स्थितियों में टीम की त्वरित तैनाती के लिए एक समर्पित वाहन शामिल है। टीम का नेतृत्व उप वनपाल स्तर के अधिकारी को सौंपा गया है। इसमें दो वन रक्षक और एक प्रशिक्षित ड्रोन ऑपरेटर की तैनाती भी की गई है।

गिट्टी से भरे डंपर ने बीएससी छात्र को कुचला, मौत, चालक फरार

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के छोला मंदिर क्षेत्र में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। गिट्टी से भरे तेज रफ्तार डंपर ने बीएससी के एक छात्र को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन को सड़क पर छोड़कर फरार हो गया।राहगीरों की मदद से गंभीर रूप से घायल छात्र को एम्बुलेंस के जरिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी में रखवाया। मृतक की शिनाख्त गुरुवार सुबह परिजनों ने की। दोपहर में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा कर लिया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।जानकारी अनुसार हादसा रात करीब 12:15 बजे हुआ। मृतक की पहचान 21 वर्षीय सूजल मुंडा, पुत्र तोनाराम मुंडा के रूप में हुई है। वह भोपाल मेमोरियल अस्पताल (बीएमएचआरसी) परिसर में अपने परिवार के साथ रहता था।

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने टीटी नगर दशहरा मैदान में प्रदर्शित कृषि उपकरणों का अवलोकन किया।

बिजली चोरी की सूचना देने वालों को मिलेगा 50 हजार रूपए तक का ईनाम

पारितोषिक की 5 फीसदी राशि अथवा 25 हजार रूपए का होगा तुरंत भुगतान
अब तक 167 सफल सूचना देने वालों को 2 लाख रूपये से अधिक का हुआ भुगतान

भोपाल (ए.)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर अधिकतम 50 हजार रूपए का ईनाम दिया जाएगा। प्रोत्साहन राशि 10 प्रतिशत अथवा अधिकतम 50 हजार रूपए का भुगतान पूर्ण वसूली उपरांत किया जाएगा। कंपनी ने कहा है कि प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली होने पर सूचना देने वाले को दी जाने वाली 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि में से योजना के संशोधित प्रावधान के अनुसार 5 प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचनाकर्ता को सूचना सही पाए जाने पर जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश के तुरंत बाद किया जाएगा तथा बाकि 5 प्रतिशत राशि का भुगतान पूर्ण वसूली उपरांत किया जा रहा है।कंपनी ने बताया कि इस योजना में 01 अप्रैल 2025 से अब तक 167 सफल सूचना देने वालों को 02 लाख 06 हजार हजार रुपये सीधे उनके बैंक खाते में जमा कराए गए हैं। साथ ही जांच एवं वसूली की कार्यवाही

करने वाले संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों को भी 3000 रुपये प्रोत्साहन राशि का भुगतान उनके मासिक वेतन में जोड़कर किया गया है। कंपनी द्वारा ऑनलाइन प्रक्रिया प्रारंभ होने के पूर्व कुल 63 प्रकरणों में पूर्ण राशि का भुगतान प्राप्त होने पर 07 सफल सूचनाकर्ताओं को उनके खाते में 2 लाख 18 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया गया है। कंपनी में कार्यरत नियमित कर्मचारी/ संविदा/ आउटसोर्स कर्मचारी को भी सूचनाकर्ता के रूप में शामिल किया गया है। उसे सूचना सही पाए जाने एवं जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश की पूर्ण वसूली होने पर एक प्रतिशत प्रोत्साहन राशि के रूप में दी जाएगी। कंपनी ने कहा है कि विभिन्न परिसरों की जांच एवं जांच के उपरांत बनाये गये पंचनामा के आधार पर आरोपी के विरूद्ध निकाली गयी राशि की वसूली में सभी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। कंपनी ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ जांच एवं वसूली के कार्य में सम्मिलित बाह्य स्त्रोत कर्मचारियों को भी परितोषिक योजना के तहत दी जाने वाली 2.5 (ढाई) प्रतिशत प्रोत्साहन राशि को सभी संबंधितों को समान रूप में दिया जा रहा है। कंपनी ने कहा है कि पारितोषिक योजना की पूरी जानकारी जैसे बिलिंग, भुगतान से संबंधित गतिविधियां पूरी तरह से गोपनीय और ऑनलाइन है। अब सूचनाकर्ता को कंपनी के पोर्टल पर गुप्त रूप से दिए गए प्रारूप में बैंक खाता, पहचान क्र. (आधार अथवा पेन) देना अनिवार्य है।

इन्दौर के प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर पर रोक लगाने से कोर्ट का इंकार, 25 को फिर सुनवाई

इन्दौर (ए.) मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इन्दौर में इंजीनियर अतुल सेठ द्वारा इन्दौर के प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर को रोकने की मांग करते दायर याचिका पर सुनवाई करते कोर्ट ने इसे सरकार का नीतिगत निर्णय मान रोक लगाने से इंकार कर दिया। हालांकि कोर्ट ने इसे बीआरटीएस और शहर के ट्रैफिक प्रबंधन से जुड़ा मानते हुए पहले से लंबित अन्य याचिकाओं के साथ लिंक करते 25 फरवरी को इस पर भी सुनवाई का निर्णय दिया है।

इन्दौर के एलआईजी चौराहे से नवलखा चौराहे तक प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर पर रोक लगाने की अतुल सेठ द्वारा दायर इस जनहित याचिका पर सुनवाई दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अभिनव धनोतकर ने कोर्ट को बताया कि एलिवेटेड कॉरिडोर को लेकर किए गए दो सर्वे में इसकी उपयोगिता स्पष्ट नहीं होती। इसके बावजूद काम शुरू करने की तैयारी है और एनआईटी जारी होने की संभावना है। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि पहले यह कॉरिडोर प्रस्तावित नहीं था, लेकिन अब सरकार का नीतिगत निर्णय है कि इसे बनाया जाए। कोर्ट सरकार के नीतिगत निर्णयों में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। फिलहाल इसे शहर के ट्रैफिक सुधार हेतु अन्य याचिकाओं के साथ लिंक करते सुनवाई की अगली तारीख 25 फरवरी नियत की जाती है।

कलेक्टर की पहल से दिव्यांगजनों को मिला आत्मनिर्भरता का नया साधन

झाबुआ (ए.) । कलेक्टर नेहा मीना के संवेदनशील एवं जनहितकारी प्रयासों के परिणामस्वरूप जिले के दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस पहल के अंतर्गत 60 प्रतिशत राशि स्वयं के खर्च से एवं 40 प्रतिशत राशि कलेक्टर द्वारा सीएसआर (CSR) एवं रेडक्रॉस के माध्यम से दिव्यांगजनों को पेट्रोल चलित वाहन प्रदान किए गए। इस क्रम में कु. रमिला हटिला निवासी ग्राम समोई तहसील राणापुर एवं हरीश भाबोर निवासी ग्राम भोडली, पोस्ट बन तहसील राणापुर को पेट्रोल चलित वाहन प्रदान किए गए। कु. रमिला हटिला ने बताया कि वे सिलाई मशीन का कार्य कर अपनी आजीविका चलाती हैं। पूर्व में सिलाई से संबंधित सामान लाने-ले जाने में उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पेट्रोल चलित वाहन प्राप्त होने के बाद अब वे आसानी से कहीं भी आ-जा पा रही हैंइस सुविधा से न केवल उनका कार्य सरल हुआ है, बल्कि आत्मनिर्भर बनने की दिशा में उन्हें नई मजबूती मिली है। उन्होंने इस सहयोग के लिए कलेक्टर नेहा मीना के प्रति आभार व्यक्त किया। हरीश भाबोर ने बताया कि उन्हें दैनिक आवागमन में अत्यधिक परेशानी होती थी। उनकी पत्नी सब्जी मंडी का कार्य करती हैं, जिसमें उन्हें लाने-ले जाने में कठिनाई होती थी। साथ ही हरीश कोचिंग पढ़ाने का कार्य करते हैं, जिसके लिए समय पर पहुंचना आवश्यक होता था। योजना के अंतर्गत पेट्रोल चलित वाहन मिलने से अब उन्हें एवं उनके परिवार को बड़ी सुविधा हुई है।

जहरीला पदार्थ खाने से नाबालिग किशोरी की मौत

राजगढ़, (ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में नरसिंहगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम बड़ोदियातालाब में रहने वाली 16 वर्षीय किशोरी की जहरीले पदार्थ खाने से मौत हो गई। कुरावर थाना पुलिस ने गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और जीरो पर मर्ग कायम कर संबंधित थाना नरसिंहगढ़ के सुपुर्द किया। पुलिस के अनुसार बुधवार देर रात ग्राम बड़ोदियातालाब निवासी 16 वर्षीय किशोरी ने घर में रहते हुए जहरीला पदार्थ खा लिया था, गंभीर हालत में परिजन उसे कुरावर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

मंत्री सिलावट ने की लोक निर्माण विभाग के विकास कार्यों की समीक्षा

सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखते हुए निर्माणाधीन सड़कों का निर्माण समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

इंदौर (ए.)। मध्य प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने गुरुवार को अधिकारियों की बैठक लेकर लोक निर्माण विभाग के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में उपस्थित लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में

सांवेर विधानसभा में कई सड़कों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसलिए आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 को ध्यान में रखते हुए सांवेर विधानसभा में निर्माणाधीन 20 से अधिक सड़कों का निर्माण समय-सीमा में कराये और इसकी मॉनिटरिंग एवं मूल्यांकन मौके पर जाकर करें। जिन सड़कों की निविदाएं जारी हो चुकी है उनकी निविदाएं खोलकर समय-सीमा में अनुबंध आदि की कार्यवाही कर कार्य प्रारंभ करें।उन्होंने कहा कि जिन सड़कों का निर्माण हो चुका है उनका लोकार्पण कराया जाए। आगामी सिंहस्थ 2028 में इन्दौर-सांवेर-उज्जैन मुख्य मार्ग रहेगा, इसलिए क्षेत्रवासियों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो और बाहर से आने वाले यात्रियों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग 1 और 2 के कार्यपालन यंत्री एस.एन. सोनी, जयदेव गौतम, एसडीओ टी.के. जैन, शिवानी अकोदिया, राकेश चौबे सहित विभाग के इंजीनियर आदि उपस्थित रहे।

लंबित अपराधों के त्वरित निराकरण के लिए पुलिस अधीक्षक ने मासिक अपराध की समीक्षा बैठक ली

मण्डला (ए)। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा की अध्यक्षता में पुलिस कंट्रोल रूम मंडला में मासिक अपराध की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित अपराधों के शीघ्र, प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए सभी अधिकारियों को विशेष दिशा-निर्देश दिए गए। अपराध समीक्षा के साथ-साथ थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी एवं अन्य स्टाफ को विभिन्न विषयों पर आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया गया। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा, एसडीओपी मंडला, एसडीओपी निवास, डीएसपी महिला सुरक्षा मंडला, सभी थाना चौकी प्रभारी, रेडियो प्रभारी, कंट्रोल रूम प्रभारी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान बैठक में आए सभी अधिकारी कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। पुलिस अधीक्षक श्री सकलेचा द्वारा लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण, महिला एवं बाल अपराधों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता, साइबर अपराधों की रोकथाम पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सभी थाना चौकी प्रभारियों को पेट्रोल पम्प एवं राशन की दुकानों से समन्वय कर सीसीटीवी कैमरा लगवाने के लिए, निर्देशित किया गया। माइक्रोबीट अधिकारियों को निर्धारित निर्देशों का अनिवार्य पालन सुनिश्चित करने एवं लक्ष्य के रूप में सभी थाना-चौकी क्षेत्रों में ग्रामीणों को हेलमेट पहनने के लिए सतत जागरूकता एवं कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही अपराध नियंत्रण के लिए नियमित गश्त एवं वाहन चेकिंग निगरानी बदमाशों पर सतत कार्रवाई, ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक पुलिसिंग को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया।

जबलपुर में पदस्थ डीएफओ पटेल ने दिया इस्तीफा

जबलपुर, (ए.)। एमपी कैडर के 2013 बैच के आईएफएस अधिकारी विपिन पटेल ने इस्तीफा दे दिया है।पटेल वर्तमान में जबलपुर में डीएफओ योजना (वर्किंग प्लान) के पद पर कार्यरत हैं। पीसीसीएफ को भेजे इस्तीफे में विपिन पटेल ने कहा है कि वे अपनी आईएफएस सर्विस से अनकंडीशनल इस्तीफा दे रहे हैं, जिसकी वजह निजी है। पटेल ने इस्तीफे की कॉपी वन विभाग के सचिव को भी भेजी है। इसके पहले वे रीवा, दमोह, सतना और अनूपपुर के डीएफओ रह चुके हैं। 4 फरवरी 2026 को भेजे इस्तीफे में पटेल ने कहा है कि उनका इस्तीफा कांपिटेंट अथॉरिटी को फॉरवर्ड करें और आईएफएस सेवा से उन्हें मुक्त किया जाए।

बछड़े का कटा सिर और पैर मिलने पर हिंदू संगठनों ने किया चक्काजाम

मंदसौर (ए.)। मध्य प्रदेश के मंदसौर में गुरुवार को उस समय एक दम से माहौल खराब हो गया, जब नगर के बीचों बीच जीवागंज क्षेत्र में गाय के बछड़े का कटा सिर और पैर मिला। बताया गया कि काटा गया बछड़ा दस से 15 दिनों का ही है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ता पहुंच गये और चक्काजाम कर दिये जिसके बाद मौके पर पुलिस और जिला प्रशासन के बड़े अधिकारी भी पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लिया।मंदसौर में 13 दिनों के भीतर दूसरी बार गौवंश के अवशेष मिलने से तनाव की स्थिति बनी। गुरुवार दोपहर करीब 3:30 बजे शहर के नयापुरा से सटे जीवागंज क्षेत्र में श्रीमती साड़ी सेंटर के पास गौवंश का कटा हुआ सिर और एक पैर मिलने की सूचना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।घटना की जानकारी मिलते ही विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता और समाजजन बड़ी संख्या में माहेश्वरी धर्मशाला के ठीक सामने नयापुरा रोड पर एकत्रित हो गए और चक्का जाम कर सड़क पर बैठ गए। इसके चलते नयापुरा रोड पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।

चक्काजाम के निकट नयापुरा रोड में मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण और घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासनिक अमला तुरंत मौके पर पहुंच गया। एडिशनल एसपी तेर सिंह बघेल, एसडीएम शुभम पाटीदार, सीएसपी जितेन्द्र भास्कर, तहसीलदार पंकज जाट, वायडी नगर थाना प्रभारी शिवाशु मालवीय पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर मौजूद रहे। अधिकारियों ने विश्व हिंदू परिषद के नेताओं और कार्यकर्ताओं से चर्चा की। विहिप के हेमंत बुलंचदानी ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग और कहा कि नगर में जितने भी बूचड़खाने है वहां पर सीसीटीवी लगायें जायें और उनकी निगरानी पुलिस कंट्रोल रूम से हो। विहिप के कार्यकर्ताओं ने मांग कि यदि 24 घंटे में आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया।

व्यापार समाचार

फिर हुई गिरावट... चांदी के दाम 25000 रुपए तक गिरे, सोना भी करीब 1800 रुपए हुआ सस्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। पिछले कुछ दिनों से सोने और चांदी की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के बाद 3 फरवरी को दोनों कीमती धातुओं के दामों में जोरदार तेजी आई थी, लेकिन अब कीमतों में नरमी दर्ज की गई है। आज सोना और चांदी दोनों के भावों में गिरावट देखने को मिली है। एक ही दिन में चांदी की कीमत करीब 25,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक टूट गई, जबकि सोना भी प्रति 10 ग्राम लगभग 1,800 रुपये सस्ता हो गया है। इससे निवेशकों और सर्राफा कारोबारियों के बीच हलचल बनी हुई है।

इससे पहले सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन, यानी 4 फरवरी को सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया था। उस दिन चांदी करीब 2.98 लाख रुपये प्रति किलोग्राम और सोना 1.65 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया था। सर्राफा कारोबारियों के अनुसार, चांदी की कीमत में 14,300 रुपये की तेजी आई थी और यह 2,98,300 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई थी। इससे पहले पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 2,84,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

वहीं 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 7,400 रुपये बढ़कर 1,65,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई थी। एक दिन पहले इसका बंद भाव 1,57,700 रुपये प्रति 10 ग्राम था। कारोबारियों के मुताबिक, दोनों धातुओं में यह तेजी टैक्स सहित कीमतों में दर्ज की गई थी।

इंडिगो ने 4 देशों के लिए 28 फरवरी तक रद्द कीं उड़ानें, इस लिस्ट में कहीं आपकी फ्लाइट भी तो नहीं?

नई दिल्ली (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में गहराते तनाव और युद्ध जैसे हालातों का असर अब भारतीय विमानन सेवाओं पर भी साफ दिखाई देने लगा है। ईरान से जुड़े ताजा घटनाक्रमों के बीच सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए देश की दिग्गज एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने एक बड़ा फैसला लिया है। कंपनी ने चार प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शहरों के लिए अपनी उड़ानें अस्थाई रूप से निलंबित कर दी हैं, जिससे हजारों यात्रियों की हवाई यात्रा की योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं।

इन चार शहरों की फ्लाइट्स हुई कैंसिल

इंडिगो ने सुरक्षा उपायों के तहत त्बिलिसी (जॉर्जिया), अल्माटी (कजाकिस्तान), बाकू (अजरबैजान) और ताशकंद (उज्बेकिस्तान) जाने वाली अपनी सभी फ्लाइट्स को 28 फरवरी 2026 तक रद्द करने का ऐलान किया है। एयरलाइन प्रबंधन का कहना है कि यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह सख्त कदम उठाना जरूरी था ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की जा सके।

यात्रियों को मिलेगा पूरा रिफंड

एयरलाइन ने प्रभावित यात्रियों को राहत देते हुए स्पष्ट किया है कि उन्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। जिन यात्रियों की टिकटें इन रूट्स के लिए बुक थीं, वे अपनी सुविधा के अनुसार या तो वैकल्पिक यात्रा का विकल्प चुन सकते हैं या फिर अपनी टिकट की पूरी राशि का रिफंड प्राप्त कर सकते हैं। कंपनी ने यात्रियों से अपील की है कि वे ताजा अपडेट और सहायता के लिए इंडिगो की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर नजर बनाए रखें।

एलन मस्क बने इतिहास के सबसे अमीर शख्स, पाकिस्तान और श्रीलंका की जीडीपी से भी ज्यादा हुई संपत्ति

वॉशिंगटन (आरएनएस)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के मालिक और टेस्ला व स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने एक नया आर्थिक इतिहास रच दिया है। फोर्ब्स के अनुसार, एलन मस्क अब दुनिया के इतिहास के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। उनकी कुल संपत्ति 850 अरब डॉलर से अधिक आंकी गई है, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 77 लाख करोड़ रुपये बैठती है।रिपोर्ट के मुताबिक, मस्क की संपत्ति में यह अभूतपूर्व उछाल उनकी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप xAI के आपसी विलय के बाद देखने को मिला। सिर्फ एक दिन में उनकी नेटवर्थ में 84 अरब डॉलर (करीब 7 लाख करोड़ रुपये) की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

कई देशों की अर्थव्यवस्था से भी ज्यादा संपत्ति

एलन मस्क की कुल दौलत अब पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल जैसे देशों की पूरी जीडीपी से भी अधिक बताई जा रही है। फोर्ब्स

बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार मस्क की मौजूदा नेटवर्थ करीब 852 अरब डॉलर है, जो भारत के शीर्ष 40 अमीरों की संयुक्त संपत्ति से भी ज्यादा है।

एक के बाद एक रिकॉर्ड

मस्क ने पिछले कुछ महीनों में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। अक्टूबर 2025 में वह दुनिया के पहले 500 अरब डॉलर की संपत्ति वाले व्यक्ति बने।

इसके बाद दिसंबर में स्पेसएक्स के मूल्यांकन में तेज बढ़ोतरी के चलते उनकी संपत्ति 600 अरब डॉलर के पार पहुंच गई। 19 दिसंबर को टेस्ला से जुड़े स्टॉक विकल्पों को लेकर अदालत के फैसले के बाद मस्क ने 700 अरब डॉलर का आंकड़ा भी पार कर लिया। जनवरी 2026 में उन्होंने इतिहास के सबसे अमीर व्यक्ति बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

दूसरे अमीरों से काफी आगे

दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति और गूगल के सह-संस्थापक लैरी पेज की नेटवर्थ करीब 281 अरब डॉलर है। इस तरह मस्क उनसे लगभग 578 अरब डॉलर आगे निकल चुके हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जिस रफ्तार से एलन मस्क की संपत्ति बढ़ रही है, उसे देखते हुए, वह जल्द ही दुनिया के पहले 'ट्रिलियनेयर' यानी 1,000 अरब डॉलर की संपत्ति वाले व्यक्ति बन सकते हैं।

शेयर मार्केट स्कैम, 20 दिनों में 11 करोड़ की ठगी, कुछ इस तरह ठगों ने दिया वारदात को अंजाम

नई दिल्ली (आरएनएस)। मुंबई में एक 68 वर्षीय व्यक्ति से शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर करीब 11 करोड़ रुपये की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ठगों ने इतनी योजनाबद्ध तरीके से इस वारदात को अंजाम दिया कि पीड़ित को लंबे समय तक धोखाधड़ी का आभास ही नहीं हुआ।

जानकारी के अनुसार, बुजुर्ग ने इंटरनेट पर शेयर मार्केट से जुड़ा एक आकर्षक विज्ञापन देखा था, जिसमें कम समय में भारी मुनाफे का दावा किया गया था। विज्ञापन पर भरोसा कर उन्होंने उसमें दिए गए लिंक पर क्लिक कर दिया। लिंक पर क्लिक करते ही पीड़ित को एक व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़ दिया गया। इस ग्रुप में खुद को शेयर बाजार का विशेषज्ञ बताने वाले फर्जी एनालिस्ट और कुछ कथित निवेशक लगातार बातचीत कर रहे थे। ग्रुप में आईपीओ, प्रेफरेंशियल शेयर और गारंटीड मुनाफे की चर्चा होती रहती थी, जिससे पीड़ित को यह विश्वास दिलाया गया कि निवेश पूरी तरह सुरक्षित है।

एमजी मोटर इंडिया की कुल 4,843 गाड़ियों की बिक्री दर्ज

नई दिल्ली (ए.)। वर्ष 2026 की शुरुआत जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने सकारात्मक संकेतों के साथ की है। जनवरी 2026 में कंपनी ने कुल 4,843 गाड़ियों की रिटेल बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 9 फीसदी अधिक है। यह वृद्धि मुख्य रूप से एमजी की इलेक्ट्रिक वाहनों और प्रीमियम मॉडल्स की बढ़ती लोकप्रियता के कारण देखी जा रही है। कंपनी का कहना है कि भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग लगातार बढ़ रही है, जिसका सबसे बड़ा लाभ उसे अपनी विंडसर ईवी की सफलता के रूप में मिल रहा है।

विंडसर ईवी, एमजी की अब तक की सबसे लोकप्रिय इलेक्ट्रिक कार बन चुकी है। इसकी दमदार रेंज, विशाल इंटीरियर और आक्रामक कीमत ने इसे उपभोक्ताओं के बीच बेहद पसंदीदा बना दिया है। इस मॉडल ने एमजी की कुल इलेक्ट्रिक बिक्री को मजबूती देने में अहम भूमिका निभाई है और यह लगातार कंपनी की टॉप-सेलिंग ईवी बनी हुई है। सिर्फ ईवी ही नहीं, पेट्रोल-डीजल यानी आईसीई सेगमेंट में भी कंपनी की पकड़ मजबूत होती दिखाई दे रही है। स्पोर्टी डिजाइन वाली सायबस्टर और लग्जरी एम9 एमपीवी को ग्राहकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, जिससे एमजी का प्रीमियम बाजार में दबदबा और बढ़ रहा है।कंपनी जल्द ही अपनी नई फ्लैगशिप एसयूवी एमजी मजेस्टर को पेश करने वाली है, जिसकी आधिकारिक अनवीलिंग 12 फरवरी 2026 को निर्धारित की गई है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 13 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.33 पर बंद हुआ। सुबह रुपया 90.52 पर खुला, फिर कुछ

बढ़त के साथ 90.40 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 7 पैसे की बढ़त दिखाता है। सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया एक छोटे दायरे में कारोबार कर रहा था। आज सुबह डॉलर इंडेक्स 0.18 फीसदी बढ़कर 97.79 पर कारोबार कर रहा था।पिछले एक महीने में भारतीय रुपया में 0.36 फीसदी की गिरावट आई है और पिछले 12 महीनों में यह 3.25 फीसदी तक गिरा है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

रणनीतिक शक्ति अभाव का शिकार

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा चुनौतियों के बरक्स राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। साल 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने माना है कि भारतीय रुपया बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच रणनीतिक शक्ति के अभाव का शिकार बना है। 2025 में रुपये की तुलना में डॉलर छह प्रतिशत महंगा हुआ। ऐसा उस समय हुआ, जब खुद डॉलर का भाव प्रमुख मुद्राओं (यूरो, येन, स्विस फ्रैंक आदि) के बास्केट की तुलना में करीब 11 फीसदी गिरा। केंद्र के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन की देखरेख में तैयार सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा क्षेत्र में व्यापार लाभ और विदेश स्थित भारतीयों की तरफ से कमा कर भेजी गई रकम रुपये को सहारा देने में नाकाफी साबित हुए हैं।ये चालू खाता के घाटे की भरपाई नहीं कर पाए। जो देश ऐसे घाटे में हैं, उनकी मुद्राओं की कमजोरी खासकर भू-राजनीतिक बदलाव के दौर अधिक उभर कर सामने आई है। दूसरी तरफ जिन देशों ने मैनुफैक्चरिंग का मजबूत आधार तैयार किया, उनकी मुद्राएं स्थिर और मजबूत बनी हुई हैं। मगर इस बिंदु पर भारत की मौजूदा कमजोरी का ठोस जायजा पेश करने के बजाय रिपोर्ट अतीत की आड़ लेती मालूम पड़ी है। कहा है कि मैनुफैक्चरिंग में मजबूत देशों ने इसका आधार तब तैयार किया, जब परिस्थितियां अनुकूल थीं। यह मुद्दा प्रासंगिक है कि उस दौर में भारत ऐसा आधार तैयार करने से क्यों चूक गया। मगर यह प्रश्न भी उतना ही उचित है कि क्या उसका रोना रोते रहना समाधान है? यह अच्छी बात है कि रिपोर्ट में सरकार की भूमिका पर जोर दिया गया है। कहा गया है कि मौजूदा सवालों का जवाब ढूंढने के लिए राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को उसमें बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। जिन भू-राजनीतिक बदलावों की बात की गई है, वे अब ठोस शक्ल ले रही हैं। मगर ऐसा होने के संकेत कई वर्षों से मिल रहे थे। उस समय दूरदृष्टि दिखाई गई होती, तो वर्तमान चुनौतियों का बेहतर मुकाबला किया जा सकता था। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नीति-निर्माण के सर्वोच्च स्तर अब भी उसका अभाव ही नजर आता है।

एक दशक में बनाई पूंजी पीके ने बिहार में गंवा दी

अजीत द्विवेदी

सबसे पहले तो यह समझना होगा कि प्रशांत किशोर ने बिहार में क्या गंवाया है? वे मानें या नहीं मानें लेकिन एक कुशल चुनाव प्रबंधक के रूप में एक दशक में बनाई गई अपनी पूंजी उन्होंने बिहार में गंवा दी है। उनके दो सौ या चार सौ करोड़ रुपए खर्च हुए वह उनका बड़ा नुकसान नहीं है। उनकी पार्टी अपना पहला चुनाव बुरी तरह से हारी यह भी कोई बड़ी बात नहीं है। ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जब पार्टियां पहले चुनाव में बहुत खराब करने के बाद धीरे धीरे मजबूत होती गईं और बहुत बड़ी बन गईं।

बिहार में नीतीश कुमार की बनाई समता पार्टी, जिसे अब जनता दल यू के नाम से जाना जाता है या उत्तर प्रदेश में कांशीराम की बनाई बहुजन समाज पार्टी इसकी मिसाल हैं। दोनों पार्टियों की शुरुआत बहुत खराब हुई थी। लेकिन दोनों के नेताओं को पता था कि उनका आइडिया और आइडियोलॉजी दोनों सही हैं। इसलिए दोनों मैदान में डटे रहे और राजनीतिक व चुनावी दोनों सफलता हासिल की। इसलिए प्रशांत किशोर का पहला चुनाव हार जाना उनके राजनीतिक करियर का पूर्णविराम नहीं है।उनके लिए असली चुनौती यह है कि राजनीतिक प्रबंधक के तौर पर जो पूंजी उन्होंने बिहार में गंवाई है उसे कैसे हासिल करेंगे? अगर वे फिर से अपनी उस पूंजी को, उस साख को वापस हासिल कर लेते हैं और बिहार में डटे रहते हैं तो निश्चित रूप से कामयाब होंगे। इसके लिए वे क्या करेंगे, यह उनको शायद ही कोई समझा सकता है। वे खुद समझदार हैं और राजनीति व चुनाव की बारीकियों को बखूबी जानते हैं। वे देश के राजनीतिक इतिहास से भी परिचित हैं। इसलिए उनको पता है कि बिहार में 1995 के विधानसभा चुनाव में बहुत खराब

प्रदर्शन करने के बाद नीतीश कुमार ने कैसी राजनीति की थी। उनको यह भी पता है कि 1984 में बसपा बनाने वाले कांशीराम ने 1989 के विधानसभा और लोकसभा चुनाव में बहुत खराब प्रदर्शन करने के बाद क्या किया था। 1995 में नीतीश कुमार की पार्टी को 324 में से सिर्फ सात सीटें मिली थीं। इसी तरह 1989 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बसपा को 425 में सिर्फ 13 सीट मिली थी, जो अगले चुनाव यानी 1991 में घट कर 12 हो गई लेकिन उसके दो साल बाद 1993 के मध्यावधि चुनाव में सपा से तालमेल करके बसपा ने 67 सीटें जीतीं और उसी विधानसभा में 1995 में मायावती पहली बार 137 दिन के लिए मुख्यमंत्री बनीं। सो, प्रशांत किशोर के लिए राजनीति का रास्ता साफ है। उनके सामने नीतीश कुमार और कांशीराम दोनों का मॉडल है। नीतीश कुमार की समता पार्टी ने 1995 की हार के बाद भाजपा के साथ तालमेल किया और लालू प्रसाद को सत्ता से हटाने के लिए राजनीति की, जिसमें निर्णायक कामयाबी 2005 के अक्टूबर में मिली। यानी पार्टी बनाने के 10 साल बाद। इसी तरह कांशीराम ने बहुजन की सत्ता स्थापित करने के लिए 1984 में बसपा बना कर राजनीति शुरू की तो 11 साल बाद 1995 के जून में मायावती को मुख्यमंत्री बनाने में कामयाब हुए। इसके लिए उनको समाजवादी पार्टी से तालमेल करना पड़ा। उनका सूत्र वाक्य था पहला चुनाव हारने के लिए, दूसरा चुनाव हराने के लिए और तीसरा जीतने के लिए। तीसरे चुनाव में उनको जीत मिली थी हालांकि वह निर्णायक नहीं थी। निर्णायक जीत मिली 2007 में जब बसपा ने अकेले दम पर उत्तर प्रदेश विधानसभा में बहुमत हासिल किया। सो, जाहिर है कि राजनीति में निरंतरता और समान या असमान विचार वाले दलों के साथ गठबंधन सबसे महत्वपूर्ण है।

तभी प्रशांत किशोर के कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से मिलने की खबर को उनकी राजनीति के अगले कदम के तौर पर देखा जा सकता है। ध्यान रहे प्रशांत किशोर ने एक समय कांग्रेस पार्टी में शामिल होकर देश की सबसे पुरानी पार्टी को उसका गौरव लौटाने की योजना पर काम करना चाहा था। उन्होंने लंबा चौड़ा प्रेजेंटेशन कांग्रेस नेतृत्व के सामने रखा था। आधे अधूरे तरीके से कुछ प्रस्तावों को कांग्रेस ने आजमाया भी। लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के असुरक्षा भाव और प्रशांत किशोर की अति महत्वाकांक्षा के कारण दोनों की बात नहीं बनी। अब फिर दोनों नजदीक आ रहे हैं तो नए किस्म के गठबंधन की आहट सुनाई दे रही है। ध्यान रहे बिहार में हमेशा एक तीसरी ताकत की गुंजाइश है। नीतीश कुमार के उदय से पहले बिहार में कांग्रेस के मुकाबले समाजवादी पार्टियों के साथ साथ भाजपा और कम्युनिस्ट पार्टियां मजबूती से चुनाव लड़ती थीं। धीरे धीरे बिहार की राजनीति दो ध्रुवीय हो गई। प्रशांत किशोर और कांग्रेस अगर तीसरी ताकत बनने की राजनीति करते हैं तो बिहार का राजनीतिक परिदृश्य दिलचस्प होगा। ध्यान रहे अगले कुछ महीनों या बरसों में बिहार की राजनीति में गुणात्मक परिवर्तन होगा। नीतीश कुमार और लालू प्रसाद के राजनीतिक परिदृश्य से विदा होने के बाद बिहार की राजनीति वैसी ही नहीं रह जाएगी, जैसी पिछले 35 साल से है। उस समय कांग्रेस और प्रशांत किशोर दोनों के लिए बड़ा अवसर बनेगा लेकिन उससे पहले प्रशांत किशोर को चुनाव प्रबंधक और राजनीतिक गुरू के तौर पर अपनी खोई हुई साख को वापस हासिल करना होगा।

सुरों की मल्लिका लता मंगेशकर

हर्षवर्धन पान्डे/

लता की मखमली और जादुई आवाज की दुनिया दीवानी थी। उनकी आवाज़ दिल को छूती नहीं, बल्कि दिल में बस जाती थी। हर दिल अजीज लता मंगेशकर ने अपनी आवाज से हिंदी सिनेमा की गायकी में ऐसे चार चाँद लगाए कि हर कोई उनका मुरीद हुए बिना नहीं रह पाया। सही मायनों में हिंदी सिनेमा की गायकी की दुनिया को लता ने अपने मधुर स्वर से नई दिशा देने का काम किया। लता दीदी की वो आवाज हर किसी के दिल के तारों को आज भी झंकृत कर देती है। हिंदी सिनेमा के 100 बरस से अधिक के सफ़र में लता दीदी की गायकी सिल्वर स्क्रीन पर चार चाँद लगा देती है। एक ऐसी आवाज हिन्दी फ़िल्म संगीत में हमेशा के लिए अमर रहेगी।

लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर 1929 को मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में पंडित दीनानाथ मंगेशकर के मध्यवर्गीय परिवार में हुआ था। लता पांच भाई बहनों में सबसे बड़ी थी। लता मंगेशकर का जन्म के वक्त नाम हेमा रखा गया था लेकिन कुछ साल बाद अपने थिएटर के एक पात्र लतिका के नाम पर, दीनानाथ जी ने उनका नाम लता रखा। लता मंगेशकर के पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक क्लासिकल सिंगर और थिएटर आर्टिस्ट थे। लता की तीन बहनें मीना, आशा, उषा और एक भाई हृदयनाथ मंगेशकर थे। पांच साल की उम्र में ही लता जी ने अपने पिता से संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी थी और थिएटर में एक्टिंग किया करती थी। जब वो स्कूल गयी तो वहां के बच्चों को संगीत सिखाने लगी लेकिन जब लता जी को अपनी बहन आशा को स्कूल लाने से मना किया गया तो उन्होंने स्कूल जाना छोड़ दिया।सुरों की मल्लिका लता मंगेशकर का भी बॉलीवुड में सफर इतना आसान नहीं था।

भारत को आत्मनिर्भर होना होगा

हरिशंकर व्यास

जैसे ही यूरोपीय संघ के साथ एक व्यापार संधि फाइनल होने की बात आई वैसे ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी भारत की और नरेंद्र मोदी की खूब तारीफ की। कहा कि जल्दी ही दोनों देशों के बीच एक अच्छी व्यापार संधि होगी। यह भारत के लिए आदर्श स्थित है कि वह भयंकर व्यापार घाटे वाले देश से व्यापार मुनाफे वाले देश में अपने को बदले। लेकिन इसके लिए ऐतिहासिक रूप से भारत ने तैयारी नहीं की। हमारे यहां इस बात पर पीठ थपथपाई जा रही है कि भारत सबसे ज्यादा मोबाइल हैंडसेट निर्यात करने वाला देश बन गया है।सोचें, यह क्या उपलब्धि हुई? भारत अपना एक भी हैंडसेट नहीं बनाता था। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के समय भारत की घरेलू हैंडसेट कंपनियां लावा और माइक्रोमैक्स का भारत के बाजार पर कब्जा था। लेकिन दो साल के भीतर ये कंपनियां गायब हो गईं और चीन की मोबाइल कंपनियों ने भारत के बाजार पर कब्जा कर लिया। भारत आज अमेरिका कंपनी एपल के आईफोन और दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग के हैंडसेट असेंबल करता है और उन्हें दुनिया के देशों में बेचा जाता है। सोचें, इसमें भारत के कुछ लोगों को नौकरी मिली है, इसके अलावा भारत को क्या हासिल हो रहा है।असल में भारत असेंबलिंग का सेंटर बनता जा रहा है। दुनिया की कंपनी भारत में सस्ता श्रम और दूसरी चीजें हासिल कर रही हैं और अपना उत्पाद असेंबल करके दुनिया में बेच रही हैं। भारत के पास न तो अपनी तकनीक है और न अपना कोई उत्पाद है। तभी इस बात की आशंका है कि दुनिया के देशों के साथ मुक्त व्यापार की संधि होने के बाद भारत का व्यापार घाटा कहीं और न बढ़ जाए। अभी अकेले चीन के साथ एक सौ अरब डॉलर यानी करीब नौ लाख करोड़ रुपए का व्यापार घाटा है।

सोशल मीडिया: संवाद का माध्यम या निजता का संकट?

-सुनील कुमार महला

आज संचार क्रांति का युग है। हर कोई सोशल मीडिया,एआइ का प्रयोग कर रहा है। आधुनिक दौर में सोशल मीडिया ने हमारे अनेक कार्यों को आसान और सरल बनाया है। दूसरे शब्दों में कहें तो सोशल मीडिया ने संवाद को जितना सरल और व्यापक बनाया है, उतना ही जटिल निजता का प्रश्न भी खड़ा कर दिया है। आज व्यक्ति अपने जीवन के निजी क्षण-तस्वीरें, रील बनाकर अपने विचार, स्थान और दिनचर्या स्वेच्छा से सार्वजनिक मंचों पर साझा कर रहा है। यह सब आमतौर पर सोशल मीडिया मंचों पर साझा करना कभी-कभी आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम होता है, तो कई बार अनजाने में अपनी निजता को जोखिम में डालने का कारण बन जाता है। 'लाइक' और 'व्यू' की होड़ में निजी सीमाएँ धुंधली होती जा रही हैं। यहां यदि हम सरल शब्दों में कहें तो आज के समय में तकनीक हमारी ज़िंदगी की पल-पल की अहम व महत्वपूर्ण जरूरत बन चुकी है। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने काम आसान और तेज़ कर दिए हैं, लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है-निजता का खतरा। आज के समय में अधिकांश लोगों के पास स्मार्टफोन है और वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि ऐप या प्लेटफॉर्म पर साइन-अप करते समय जो निजी जानकारी वे देते हैं, उसका गलत इस्तेमाल भी हो सकता है। कई बार यह जानकारी हमारी अनुमति के बिना किसी और को दी जा सकती है। बहरहाल,यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत ही नहीं आज संपूर्ण विश्व स्तर पर स्मार्टफोन उपयोग तेजी से सर्वव्यापी हो चुका है। 2025 के आसपास उपलब्ध ताज़ा वैश्विक अनुमानों के अनुसार दुनिया में लगभग 6.8-7.1अरब लोग स्मार्टफोन का उपयोग कर रहे हैं, जबकि सक्रिय स्मार्टफोन डिवाइसों की संख्या 7 अरब से अधिक मानी जाती है, क्योंकि कई उपयोगकर्ताओं के पास एक से अधिक फोन हैं। इसका अर्थ यह है कि वैश्विक आबादी का करीब 85-90 प्रतिशत हिस्सा किसी न किसी रूप में स्मार्टफोन से जुड़ चुका है। यदि हम यहां पर भारत की बात करें तो देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार बन चुका है।साल 2024-2025 के आंकड़ों के अनुसार भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 65-70 करोड़ (650-700 मिलियन) है, जो कुल जनसंख्या का करीब 45-50 प्रतिशत बैठती है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और 4जी/5जी नेटवर्क के विस्तार के कारण यह संख्या तेजी से बढ़ रही है और विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार 2026 तक भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ता 100 करोड़ के आसपास पहुँच सकते हैं। इस क्रम में यहां यह गौरतलब है कि एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मेटा और व्हाट्सऐप को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने साफ कहा कि कोई भी कंपनी नागरिकों की निजी जानकारी के साथ मनमानी नहीं कर सकती और निजता के अधिकार से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज का जमाना डिजिटल है और इस डिजिटल युग में आज मोबाइल नंबर, बैंक खाता, आधार जैसी जगहों पर हमें अपनी निजी और कभी-कभी बायोमेट्रिक जानकारी भी देनी पड़ती है। अगर यह जानकारी गलत हाथों में चली जाए, तो बड़ा नुकसान हो सकता है। समस्या यह भी है कि यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि हमारी जानकारी आखिर कहां-कहां पहुंच चुकी है। सोशल मीडिया पर भी यही खतरा रहता है, क्योंकि ज्यादातर लोग नियम और शर्तें पढ़े बिना ही 'सहमति' दे देते हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में यह बात कही कि ये शर्तें इतनी जटिल भाषा में लिखी जाती हैं कि आम आदमी उन्हें समझ ही नहीं पाता। इसे निजी जानकारी चुराने का एक सभ्य तरीका कहा गया, जिसे मंजूरी नहीं दी जा सकती।

माननीय कोर्ट ने यह भी कहा कि सुरक्षा और पहचान के नाम पर जानकारी लेना ठीक है, लेकिन जो लोग निजता के अधिकार का उल्लंघन करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ता की गतिविधियों का सूक्ष्म विश्लेषण करते हैं-क्या देखा, क्या पसंद किया, कहाँ गए और इस डेटा का उपयोग विज्ञापन, प्रोफाइलिंग और कभी-कभी राजनीतिक या व्यावसायिक हितों के लिए किया जाता है। वास्तव में, डेटा लीक, अनधिकृत ट्रैकिंग और फेक प्रोफाइल जैसी समस्याएँ निजता के हनन को और गंभीर बनाती हैं। परिणामस्वरूप व्यक्ति की पहचान, सुरक्षा और स्वतंत्रता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

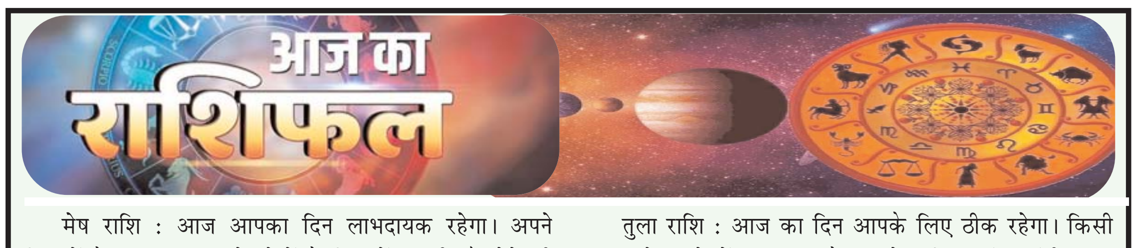

मेष राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने विचारों के साथ-साथ दूसरे लोगों के विचारों पर भी गौर देने की जरूरत है। आय के साधन बढ़ने के साथ-साथ खर्चो की भी अधिकता बनी रहेगी। बाहरी व्यक्तियों का हस्तक्षेप अपने व्यक्तिगत कार्यों पर ना होने दें।

वृष राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप अपने संपर्क में आने आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे। विचारों में स्थिरता और दृढ़ता रहने से आप अपने कार्यों को अच्छी तरह कर पाएंगे। सामाजिक रुप से मान-प्रतिष्ठा बनी रहेगी। आज दूसरों के भरोसे अपने कार्यों को न छोड़ें, इसका असर आपके कार्यक्षेत्र में पड़ सकता है।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स को आज किसी कंपनी से नए जॉब के लिए कॉल आ सकती है। साथ ही कम्प्यूटर कोर्स ज्वॉइन करना चाहते है तो आज का दिन शुभ है। आज जल्दबाजी की बजाए शांति और धैर्य पूर्ण तरीके से कामों को अंजाम देना आपके काम को ज्यादा सुगम बनाएगा।

कर्क राशि : आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। अगर आप नए बिजनेस की शुरुआत करने की सोच रहें है तो आज का दिन आपके लिए शुभ है। जीवनसाथी के सहयोग से आपको किसी बड़े काम में सफलता मिलेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आज अपनी व्यावसायिक कार्य प्रणाली में कुछ बदलाव लाने की कोशिश करेंगे।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज उन चीजों को महत्व दें जो सच में आपके लिए महत्वपूर्ण हैं। आपको अपने दोस्तों और काम के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा, जिससे आपको ज्यादा से ज्यादा काम करने का समय मिल सके। सोचा हुआ कार्य समय पर पूरा होने से आप अपने अंदर ऊर्जा और आत्मविश्वास महसूस करेंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन खास रहेगा। आज रास्ते में जाते समय आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जिसका फायदा आपको भविष्य में अवश्य मिलेगा। असमंजस की स्थिति में परिवार वालों की सलाह लेना अच्छा रहेगा। इस समय मार्केटिंग संबंधी कार्यों पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। दांपत्य जीवन सुखद और मधुरता पूर्ण रहेगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक रहेगा। किसी काम को करने में आज आपके सामने कठिनाइयां आएंगी, आप अपनी सूझ-बूझ से उनसे निपटने में सफल होंगे। आज समाज में आपको अपनी कार्यशीलता के लिए सम्मानित किया जा सकता है। साझेदारी संबंधी व्यापार की योजना बना रहे हैं तो उससे जुड़े सभी मामलों पर अच्छे से सोच-विचार कर लें।

वृश्चिक राशि : आज पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपनाएंगे। आपके इस विचार को देखकर परिवार का मन उत्साह से भर जाएगा। साथ ही आज घर पर अपना मनपसंद खाना खा सकते है। किसी उलझन का समाधान मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। अपने व्यक्तिगत कार्यों में किसी और का हस्तक्षेप न होने दें।

धनु राशि : आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। इस राशि के बिजनेसमैन आज किसी जरूरी काम से विदेश की यात्रा कर सकते है। यात्रा लाभदायक होगी। कारोबार में बहुत सावधानी रखने की जरूरत है। धैर्य और संयम से मुश्किल समय निकल जाएगा। साझेदारी के व्यवसाय में पारदर्शिता बनाए रखने से अच्छा रहेगा।

मकर राशि : आज आपका दिन राहत से भरा रहेगा। आर्थिक स्थिति में आज सुधार आएगा। समय का उचित सदुपयोग करें। सामाजिक गतिविधियों में आपके विचारों को विशेष प्राथमिकता मिलेगी। युवाओं का मन मुताबिक कार्य पूरा होने से सुकून मिलेगा।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन लेना आपके लिए सहायक रहेगा। किसी विदेशी कंपनी से जॉब के लिए कॉल आ सकता है। घर का माहौल सुखद और शांतिपूर्ण बना रहेगा। किसी मित्र से मुलाकात होगी और पुरानी यादें ताजा होंगी। आज किसी कानूनी मामले में आपको राहत मिल सकती है।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बिजनेस में आपको फायदा मिलने वाला है। उधार दिया हुआ पैसा आज वापस मिलेगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। दिन की शुरुआत कुछ व्यस्तता वाली रह सकती है लेकिन अंत में बेहतर परिणाम हासिल होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक रहेगी।

बैंकों में 3.4 लाख करोड़ का सोना गिरवी, बैंकों का जोखिम बढ़ा

(लेखक-सनत कुमार जैन)

सोने की कीमतों में गिरावट से बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों की चिंता बढ़ गई है। देश में गोल्ड लोन का चलन बढ़ता जा रहा है। लोग अपनी जरूरत को पूरा करने के लिए सोना गिरवी रखकर लोन ले रहे हैं। हाल ही में सोने की कीमतों में तेज वृद्धि और उसके बाद तेजी के साथ दामों में गिरावट ने बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों की ऋण व्यवस्था के लिए चुनौती खड़ी कर दी है। ताजा आंकड़ों के अनुसार भारत में करीब 9 करोड़ लोगों ने सोना गिरवी रख कर बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कर्ज लिया है। जिसके चलते लगभग 3.4 लाख करोड़ रुपये मूल्य का सोना बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं के पास गिरवी रखा हुआ है। सोने के दाम में हालिया गिरावट ने इस पूरे तंत्र को हिला दिया है। बैंक और वित्तीय संस्थान सोने की कीमत का 75 फ़ीसदी से 90 फ़ीसदी तक फाइनेंस कर देते हैं। ऋण देने के जो नियम बना रखे हैं उसके अनुसार यदि दाम घटते हैं तो ऐसी स्थिति में ऋणधारक को ब्याज की मार्जिन मनी चुकानी पड़ती है। यदि वह मार्जिन नहीं दे पाता है तो ऐसी स्थिति में बैंक और वित्तीय संस्थानों को अधिकार है कि वह सोने की नीलामी करके अपना पैसा वसूल कर लें। बीते वर्षों में सोने की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण गोल्ड लोन को सुरक्षित कर्ज मानते हुए बैंकों ने बड़े पैमाने पर सोने पर कर्ज को बढ़ावा दिया है। लोगों ने भी बढ़ी हुई कीमतों का फायदा उठाकर ज्यादा कर्ज लिया। कई मामलों में टॉप-अप लोन भी प्राप्त किया है। अब सोने के दाम अप्रत्याशित रूप से घटने के कारण गिरवी रखे गए सोने का मूल्य कम हो गया है। कर्ज की राशि से सोने की कीमत कम हो गई है। ऐसी स्थिति में बैंकों द्वारा कर्जदारों से मार्जिन मनी जमा करने या अतिरिक्त सोना गिरवी रखने का दबाव बढ़ाया जा रहा है। समस्या यह है, गोल्ड लोन लेने वाले अधिकतर लोग आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। उनके पास ब्याज और मार्जिन मनी के रूप में जमा करने के लिए अतिरिक्त नकदी नहीं है। जिससे वह वित्तीय संस्थान द्वारा मांगी गई मार्जिन मनी को जमा कर सकें। अर्थ विशेषज्ञों का कहना है, अगर कर्ज न चुकाने की स्थिति में बैंकों ने बड़े पैमाने पर वित्तीय संस्थाओं द्वारा सोने की नीलामी की जाएगी। ऐसी स्थिति में तो बाजार में सोने की आपूर्ति बढ़ेगी। जिससे सोने की कीमतों में और भी बड़ी गिरावट आ सकती है। इससे बैंकों और वित्तीय संस्थाओं का घाटा बढ़ सकता है। इसका असर बैलेंस शीट पर भी पड़ेगा। सोने और चांदी की कीमतों में जिस तरह की तेजी और मंदी देखने को मिल रही है, उसने वित्तीय संस्थानों की चिंता को बढ़ा दिया है। शेयर बाजार में भी लगातार गिरावट का दौर चला। जिसके कारण वित्तीय संस्थानों को शेयर बाजार में भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। बाजार में उपभोक्ता के पास खर्च करने के लिए पैसा नहीं है। जिसके कारण बाजार में मांग घट रही है। नौकरी और रोजगार पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव दिखने लगा है। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) और अन्य बैंक इस स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। अर्थ विशेषज्ञों के अनुसार, अगर सोने की कीमतों में तेज गिरावट जारी रहती है तो यह संकट बैंकिंग व्यवस्था के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन सकता है। पिछले कुछ वर्षों में सोना गिरवी रखने में 75 से 90 फ़ीसदी तक लोन गिरवी रखने वालों को दिया जाता था। बड़े पैमाने पर लोगों द्वारा सोने पर लोन लिया गया है। सोने में लिए गए ऋण का असर 9 करोड़ परिवारों पर सीधे रूप से देखने को मिल रहा है। जिस मध्यम वर्ग के पास सोना है, वह अपनी जरूरतें सोना गिरवी रखकर पूरी कर रहा था। देश की अर्थव्यवस्था में मध्यम वर्ग के ऊपर कितना दबाव है, यह उसे दर्शा रहा है।

वर्तमान आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं होने की दशा में बाजार में मांग घटेगी। आने वाले समय में इसका असर रोजगार और व्यवसाय पर पड़ेगा। देश को आर्थिक मंदी का शिकार होना पड़ सकता है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के ऊपर भी भारी कर्ज है।

सीएम रेखा गुप्ता ने सुनीं दिल्लीवालों की समस्याएं, मौके पर ही दिए समाधान के निर्देश

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में आयोजित जनसुनवाई के दौरान शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से आए दिल्लीवासियों की समस्याएं और सुझाव ध्यान से सुने। 'जनता का शासन, जनता के द्वारा' के अपने संकल्प को दोहराते हुए उन्होंने न सिर्फ हर शिकायत को गंभीरता से लिया, बल्कि मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश भी दिए।

जनसुनवाई में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन, टूटी सड़कों, जलभराव और सफाई व्यवस्था जैसे मुद्दे प्रमुख रूप से सामने आए। मुख्यमंत्री ने हर नागरिक से व्यक्तिगत बातचीत की और उनके प्रार्थना पत्रों पर तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनसुनवाई में उठने वाली शिकायतों के निपटारे में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है। जनसुनवाई केवल समस्याएं सुनने का मंच नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच भरोसे को मजबूत करने का माध्यम है। जब कोई नागरिक सीधे मुख्यमंत्री के सामने अपनी बात रखता है और उस पर कार्रवाई होती है तो प्रशासन पर विश्वास बढ़ता है। हमारी सरकार पूरी तरह जवाबदेह है और दिल्ली के हर नागरिक की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है।

निशुल्क गैस सिलेंडर योजना पर उमड़ा जन-आभार

जनसुनवाई के दौरान दिल्ली के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से आई महिलाओं और मध्यमवर्गीय परिवारों ने होली और दिवाली पर निशुल्क गैस सिलेंडर की राशि देने की योजना के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि कैबिनेट द्वारा 242 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी और सीधे बैंक खाते में 853 रुपये की राशि भेजने के फैसले ने उनके त्योहारों की खुशियों को और बढ़ा दिया है। महिलाओं ने इसे बड़ी राहत बताते हुए कहा कि महंगाई के इस दौर में यह योजना उनके रसोई बजट को संभालने में काफी मददगार साबित होगी।

सस्पेंड लेक्चरर ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान, सुसाइड नोट में लिखा- पुलिस ने मेरी इरादतन हत्या की है

जयपुर, (आरएनएस)। राजस्थान की राजधानी के महेश नगर इलाके में एक सस्पेंडेड लेक्चरर ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मनोहर लाल भादू (35) के रूप में हुई है, जो जालोर के सांचौर के रहने वाले थे। मौत से पहले लिखे एक मार्मिक और सनसनीखेज सुसाइड नोट में उन्होंने पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए अपनी मौत को इरादतन हत्या करार दिया है। सिस्टम पर उठाए गंभीर सवाल मनोहर लाल ने सुसाइड नोट में एसओजी (SOG) और पुलिस के अधिकारियों पर मानसिक प्रताड़ना और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने लिखा कि उन्हें उन मामलों में घसीटा गया जिनमें उनका नाम तक नहीं था। नोट के मुताबिक-जांच अधिकारियों ने उनसे पैसे ऐंठने की कोशिश की। उन्हें डरा-धमकाकर जबरन कई चार्जशीट में आरोपी बनाया गया।

जिस दीए को तूफां में जलना होगा, उसे संभल संभल के चलना होगा, शशि थरूर ने शेयर किया वीडियो

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। संसद भवन परिसर में हुए एक घटनाक्रम की खूब चर्चा हो रही है। सांसद शशि थरूर संसद परिसर की सीढ़ियों पर फोन पर बात करते हुए लड़खड़ाए और उन्हें सपा मुखिया अखिलेश यादव ने संभाला। इस घटनाक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में कांग्रेस सांसद शशि थरूर संसद परिसर की सीढ़ियों पर फोन पर बात करते हुए लड़खड़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं। जैसे ही उन्होंने सीढ़ी पर पैर रखा, थरूर फिसल गए। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव उनके बगल में खड़े थे और वे तुरंत थरूर को उठने में मदद करने लगे।

इसके बाद दोनों में थोड़ी सी बातचीत भी हुई। इसके बाद अखिलेश यादव थरूर का हाथ पकड़कर कुछ सीढ़ियों से उतरते दिखाई दिए। इसके बाद उनके स्वास्थ्य को लेकर कई लोगों ने चिंता व्यक्त की थी। अब इस वीडियो को खुद शशि थरूर ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

शशि थरूर ने एक्स पर लिखा, जिस दीए को तूफां में जलना होगा, उसे संभल संभल के चलना होगा। मैं ठीक हूं। थरूर के इस बयान के अब राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं।

संसद भवन में हुई एक और घटना की दिनभर चर्चा रही। संसद परिसर में बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच नोकझोंक हो गई।

भारत झुकेगा नहीं...ट्रंप का कार्यकाल खत्म होने का इंतजार करेंगे', ट्रेड डील पर डोभाल ने रूबियो को सुनाई थी खरी-खरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत पर लगाए गए ट्रेड टैरिफ को 18 प्रतिशत करने की घोषणा की है। बताया जा रहा है कि इसके पीछे भारत का राष्ट्रीय हितों से समझौता न करने का दृढ़ रुख एक प्रमुख कारण रहा। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष सितंबर में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के लिए एक स्पष्ट संदेश लेकर अमेरिका गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान डोभाल ने रूबियो से कहा था कि भारत राष्ट्रपति ट्रंप और उनके शीर्ष सहयोगियों की धमकियों के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत अतीत में भी प्रतिकूल अमेरिकी सरकारों का सामना कर चुका है और वह दबाव में आने की बजाय मौजूदा राष्ट्रपति का कार्यकाल समाप्त होने तक इंतजार करने को तैयार है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात के बाद अमेरिका के साथ संबंधों को पटरी पर लाने के प्रयासों के तहत डोभाल को वॉशिंगटन भेजा था। इसी दौरान डोभाल और रूबियो की मुलाकात हुई। मुलाकात से जुड़े भारतीय अधिकारियों के अनुसार, डोभाल ने रूबियो से कहा था कि भारत राष्ट्रपति ट्रंप का कार्यकाल पूरा होने तक धैर्य रखने को तैयार है, लेकिन वह यह भी चाहता है कि ट्रंप और उनके सहयोगी सार्वजनिक मंचों पर भारत की आलोचना से बचें, ताकि द्विपक्षीय रिश्तों को सुधारा जा सके।

इस बैठक के कुछ समय बाद ही तनाव कम होने के संकेत मिलने लगे। 16 सितंबर को राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को उनके जन्मदिन पर फोन कर उनके काम की सराहना की थी। इसके बाद वर्ष के अंत तक दोनों नेताओं के बीच टैरिफ कम करने की संभावनाओं को लेकर फोन पर चार बार बातचीत हुई। हालांकि सार्वजनिक तौर पर दोनों देशों की ओर से किसी समझौते का संकेत नहीं दिया गया था। ऐसे में सोमवार को कई भारतीय अधिकारी तब हैरान रह गए, जब ट्रंप ने इंटरनेट मीडिया पर इस डील को लेकर पोस्ट साझा की। रिपोर्ट के अनुसार, रूबियो के साथ डोभाल की सितंबर की मुलाकात अमेरिका के लिए यह संकेत थी कि भारत उसे दीर्घकालिक साझेदार के रूप में देखता है और संबंधों को और खराब नहीं होने देना चाहता।भारत में आम राय रही है कि चीन को संतुलित करने और वर्ष 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के प्रधानमंत्री मोदी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अमेरिकी पूंजी, तकनीक और सैन्य सहयोग महत्वपूर्ण है। दिसंबर में भारत में नए अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के आगमन से भी यह संकेत मिला कि संबंधों को सुधारने की दिशा में गंभीर प्रयास शुरू हो गए हैं। गोर व्हाइट हाउस के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी रह चुके हैं और राष्ट्रपति ट्रंप तथा विदेश मंत्री रूबियो के करीबी माने जाते हैं। अपने पहले सार्वजनिक भाषण में उन्होंने भारत-अमेरिका के बीच तनाव को 'असली दोस्तों के बीच असहमति' बताया था।हालांकि संबंधों में सुधार के संकेतों के बावजूद भारत ट्रंप प्रशासन के साथ सावधानी बरतने के पक्ष में है, क्योंकि वह अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखना चाहता है। भारतीय अधिकारियों का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी की रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ हाथ पकड़कर हंसते हुए वायरल हुई तस्वीर भी यह दिखाने का संकेत थी कि भारत के पास अन्य विकल्प मौजूद हैं। दिसंबर में पुतिन के भारत दौरे पर उनका भव्य स्वागत भी इसी संदेश का हिस्सा माना जा रहा है।भारत ने हाल ही में लगभग दो दशकों की बातचीत के बाद यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता किया है। यह समझौता ब्रिटेन के साथ हुए व्यापार समझौते के कुछ महीनों बाद आया है। इन घटनाक्रमों से स्पष्ट होता है कि अमेरिका के साथ अस्थायी रुकावटों के बावजूद भारत अपने व्यापारिक और रणनीतिक संबंधों में विविधता लाने को लेकर गंभीर है।

पंजाब के युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के द्वार, मान सरकार ने निवेश अभियान को दी नई रफ्तार

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई निवेश रोड शो के दूसरे दिन भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने प्रोग्रेसिव पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 के हिस्से के रूप में राज्य के युवाओं के लिए पूंजी निवेश को नौकरियों में बदलने पर ध्यान केंद्रित करते हुए निवेश अभियान को और तेज कर दिया।उच्च-स्तरीय बैठकों से लेकर वित्तीय विचार-विमर्श करते हुये पंजाब सरकार ने लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को और मजबूत करने तथा उन्हें बड़े उद्यमों में बदलने योग्य बनाने से लेकर विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स और उभरते क्षेत्रों में वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने तक अनेक संभावनाओं की श्रृंखला प्रस्तुत की।परिणाम-उन्मुख बैठकों की यह श्रृंखला कॉर्पोरेटों और वित्तीय संस्थाओं के साथ साझेदारी को और गहरा करने, औद्योगिक क्षमताओं के विस्तार के साथ-साथ टिकाऊ, कुशल और दीर्घकालिक रोजगार संबंधी रणनीति को दर्शाती है, जो पंजाब को युवा-नेतृत्व वाले औद्योगिक विकास और उद्यमिता-आधारित आर्थिक विस्तार के लिए केंद्र के रूप में स्थापित कर रही है।प्रतिनिधिमंडल ने दिन की शुरुआत सनातन टेक्सटाइल और महिंद्रा ग्रुप सहित प्रमुख उद्योग समूहों के साथ उच्च-स्तरीय बैठकों से की, जहाँ टेक्सटाइल, ऑटोमोटिव, कृषि उपकरण, रक्षा विनिर्माण और सप्लाई-चेन एकीकरण में संभावित अवसरों पर केंद्रित चर्चा की गई। इन बैठकों के दौरान नए निवेशों के साथ-साथ पंजाब में मौजूदा कार्यों के विस्तार, राज्य के कुशल कार्यबल, औद्योगिक आधारभूत ढांचे और नीतिगत स्थिरता का लाभ उठाने की संभावनाओं की पड़ताल भी की गई।इस विशेष दिन का मुख्य आकर्षण सीएक्सओ राउंडटेबल बैठक थी, जिसमें प्रमुख प्राइवेट इक्विटी फर्मों और वित्तीय संस्थाओं ने भाग लिया।

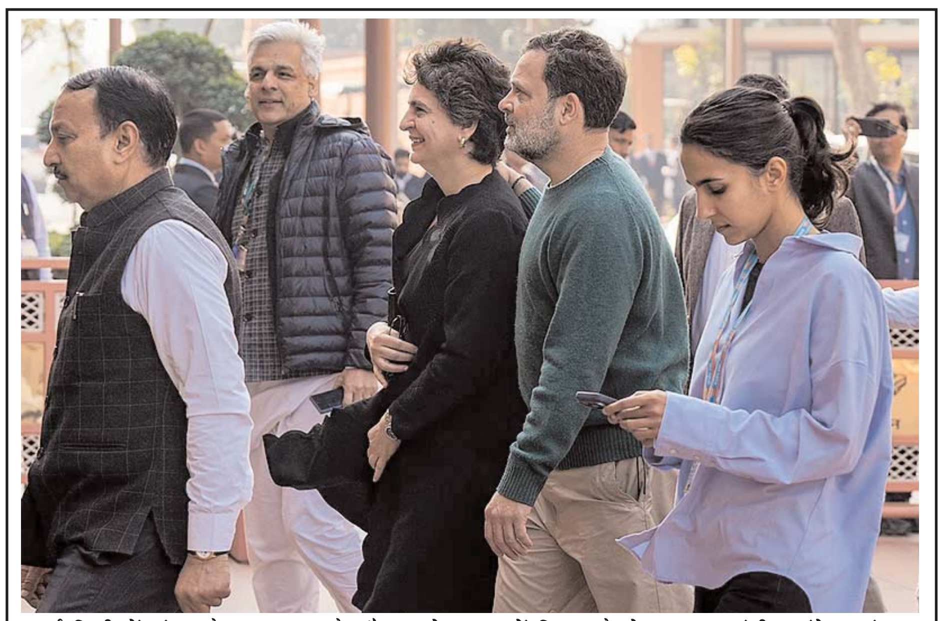

नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य।

पागल कुत्ते का खौफ, 2 घंटे में 11 लोगों को काटा; मासूम बच्ची के चेहरे को बुरी तरह नोचा

बाराबंकी(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में आवारा कुत्तों के आतंक ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। हैदरगढ़ क्षेत्र में बुधवार को एक पागल कुत्ते ने ऐसा कोहराम मचाया कि पूरे इलाके में दहशत फैल गई। महज दो घंटे के भीतर इस कुत्ते ने राह चलते 11 लोगों पर हमला कर उन्हें अपना शिकार बना लिया। वहीं, कोठी क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक कुत्ते ने घर के बाहर खेल रही तीन साल की मासूम बच्ची के चेहरे को बुरी तरह नोच डाला। गंभीर हालत में बच्ची को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

बाजार से मस्जिद तक जो मिला उसे बनाता गया शिकार

हैदरगढ़ कस्बे में बुधवार शाम करीब चार बजे एक पागल कुत्ता घुस आया और जो भी उसके रास्ते में आया, उस पर झपट पड़ा। आतंक का यह सिलसिला हैदरगढ़-भिटरिया मार्ग पर रेलवे क्रॉसिंग से शुरू हुआ, जहां मालिनपुर से बाइक पर आ रहे 22 वर्षीय अंकुश के पैर में कुत्ते ने काट लिया। इसके बाद कुत्ते ने सड़क पार कर रहे लिल्हौरा वार्ड के कुंदन कुमार और विमला देवी को अपना निशाना बनाया। मुख्य चौराहे के पास पान की

दुकान पर जा रहे दयाशंकर मिश्र पर भी कुत्ते ने अचानक हमला कर दिया और उनका पैर मुंह में भर लिया। वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह कुत्ते को खदेड़कर उनकी जान बचाई। रायबरेली मार्ग पर आगे बढ़ते हुए कुत्ते ने मस्जिद में नमाज पढ़ने जा रहे बुजुर्ग हनीफ समेत मोहम्मद दाऊद, अनवर, निसार अहमद और 9 साल की बच्ची अल फिजा को भी काट खाया।

लाठी-डंडे लेकर दौड़े लोग, जंगल की तरफ भागा कुत्ता

शाम चार बजे से छह बजे तक पागल कुत्ते ने पूरे कस्बे में दहशत का माहौल बना दिया। लगातार हो रहे हमलों से घबराए स्थानीय लोग लाठी-डंडे लेकर सड़कों पर निकल आए। भीड़ को अपनी तरफ आता देख कुत्ता पास के जंगल की ओर भाग निकला, जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) और नगर पंचायत अध्यक्ष को सूचना देकर मांग की है कि जल्द से जल्द इन आवारा कुत्तों को पकड़ने का अभियान चलाया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

घर के बाहर खेल रही 3 साल की मासूम पर हमला

कुत्तों के आतंक की एक और भयावह घटना सिद्धौर ब्लॉक के टिकरिया गांव (कोठी क्षेत्र) से सामने आई। यहां रिंकू नाम के व्यक्ति की तीन वर्षीय बेटी अपनी पांच साल की बड़ी बहन के साथ घर के बाहर खेल रही थी। तभी गांव में घूम रहे एक आवारा कुत्ते ने छोटी बच्ची पर हमला बोल दिया और उसके गाल को बुरी तरह नोच डाला।

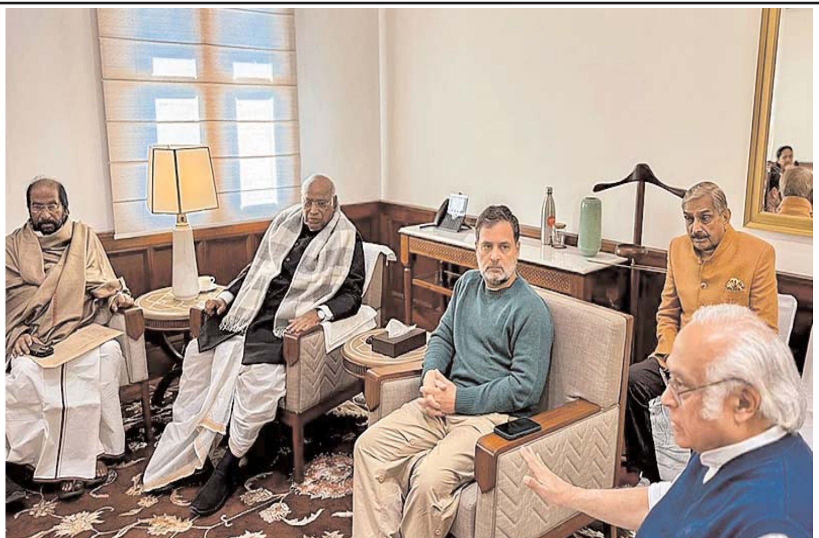

नई दिल्ली में संसद सत्र से जुड़ी एक मीटिंग के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, (बीच में), कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, (बाएं से दूसरे), कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी, (दाएं से दूसरे), और जयराम रमेश, (दाएं), और द्रमुक सांसद तिरुचि शिवा।

1 लाख से ज्यादा लोग लापता, पुलिस ने सिर्फ 9700 मामलों में की कार्रवाई; हाई कोर्ट ने कहा- आंकड़े चौंकाने वाले

लखनऊ , (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में रहस्यमय तरीके से गायब हो रहे लोगों की बढ़ती संख्या और पुलिस की निष्क्रियता पर इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। प्रदेश में पिछले दो सालों में एक लाख से अधिक लोगों के लापता होने की खबर पर स्वत: संज्ञान लेते हुए अदालत ने इसे एक जनहित याचिका (PIL) के रूप में दर्ज करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा है कि लाखों लोगों के गायब होने के बावजूद पुलिस का रवैया बेहद सुस्त है और यह आंकड़े किसी को भी चौंकाने के लिए काफी हैं। मामले की गंभीरता तब सामने आई जब जस्टिस अब्दुल मोइन और जस्टिस बबीता रानी की डिवीजन बेंच एक पीड़ित पिता, विक्रमा प्रसाद की क्रिमिनल रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी गिरफ्तार, इस मामले में क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी को गिरफ्तार कर लिया है। सिद्दीकी पर विश्वविद्यालय के संचालन में जालसाजी और भारी अनियमितताएं बरतने का आरोप है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बुधवार को जानकारी दी कि यह गिरफ्तारी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (G C) की ओर से दर्ज कराई गई दो एफआईआर के आधार पर की गई है।

लाल किला धमाके के बाद रडार पर आया मामला

पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस पूरे मामले की कड़ियाँ लाल किले के पास हुए धमाके के बाद शुरू हुई जांच से जुड़ती हैं। धमाके के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जब जांच का दायरा बढ़ाया, तो अल-फलाह यूनिवर्सिटी के कामकाज में कई तरह के फर्जीवाड़े और अनियमितताओं के संकेत मिले। जांच के दौरान मिले ठोस तथ्यों के आधार पर क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज कर अपनी तफ्तीश शुरू की थी। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (E D) भी पहले से सक्रिय था और अपनी ओर से कार्यवाही कर रहा था। ईडी की जांच और मिले सबूतों के बाद दिल्ली पुलिस ने सिद्दीकी को हिरासत में लिया और लंबी पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

कोर्ट ने चार दिन की रिमांड पर भेजा

गिरफ्तारी के बाद जावेद अहमद सिद्दीकी को कानूनी प्रक्रिया के तहत स्थानीय अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने अदालत के सामने दलील दी कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी से गहन पूछताछ की आवश्यकता है। अदालत ने पुलिस की दलील स्वीकार करते हुए सिद्दीकी को चार दिन की पुलिस हिरासत (रिमांड) में भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रिमांड के दौरान यूनिवर्सिटी के अन्य वित्तीय लेन-देन और कथित फर्जीवाड़े से जुड़े अन्य पहलुओं की बारीकी से जांच की जाएगी।आपको बता दें कि अल-फलाह यूनिवर्सिटी का नाम विवादों में आना नया नहीं है। यह संस्थान उस वक्त सुरक्षा एजेंसियों की नजरों में चढ़ गया था, जब फरीदाबाद और जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक संयुक्त अभियान में एक कश्मीरी डॉक्टर को गिरफ्तार किया गया था। आरोपी की पहचान मुजम्मिल शकील के रूप में हुई थी, जो इसी यूनिवर्सिटी में बतौर शिक्षक कार्यरत था। उस समय पुलिस ने शकील के पास से करीब 360 किलोग्राम विस्फोटक और भारी मात्रा में हथियार बरामद किए थे।

एनसीआर में मौसम में बदलाव के संकेत, तापमान में बढ़ोतरी के साथ वायु गुणवत्ता फिर खराब श्रेणी में

नई दिल्ली(आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में एक बार फिर मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदलता नजर आ रहा है। फरवरी के पहले सप्ताह में ठंड के असर में कमी आने लगी है और अधिकतम व न्यूनतम तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और इजाफा देखने को मिलेगा। हालांकि तापमान बढ़ने के साथ-साथ वायु प्रदूषण ने भी चिंता बढ़ा दी है। एनसीआर के अधिकांश इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब से बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया है। मौसम विभाग की वेबसाइट के अनुसार 5 फरवरी से 10 फरवरी तक एनसीआर में मौसम शुष्क बना रहेगा और सुबह के समय कोहरे की स्थिति बनी रहेगी। 5 फरवरी को अधिकतम तापमान 22 डिग्री और न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया जाएगा। 6 और 7 फरवरी को न्यूनतम तापमान 10 से 11 डिग्री के आसपास रहेगा, वहीं 8, 9 और 10 फरवरी को अधिकतम तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। इन दिनों आर्द्रता 90 से 100 प्रतिशत तक बनी रहने के कारण सुबह के समय शैलो फॉग और मॉडरेट फॉग की स्थिति देखने को मिल रही है। फिलहाल मौसम विभाग ने किसी तरह की चेतावनी जारी नहीं की है।

भाजपा सांसद ने कांग्रेस और गांधी परिवार का इतिहास बताने वाली 40 किताबों की लिस्ट जारी की

नई दिल्ली (आरएनएस)। पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब को लेकर संसद में चल रहे विवाद के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार पर पलटवार किया है। उन्होंने 40 किताबों की एक लिस्ट शेयर की, जिनके बारे में उनका दावा है कि वे भारत का असली इतिहास बताती हैं और पार्टी के पिछले शासन से जुड़े कथित विवादों को उजागर करती हैं। निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 40 किताबों की एक लिस्ट जारी की। उन्होंने कहा कि इन किताबों में भारत के ऐतिहासिक वृत्तांत, 1975 और 1977 के बीच आपातकाल की अवधि, वंशवादी राजनीति की आलोचना और अन्य विवरण शामिल हैं। किताबों का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि वे कांग्रेस शासन के विवादास्पद पहलुओं को उजागर करती हैं। भाजपा सांसद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 40 अलग-अलग पोस्ट किए, जिनमें से हर एक में उनकी लिस्ट की एक किताब का शीर्षक, लेखक और सारांश शामिल था। निशिकांत दुबे ने तर्क दिया कि अप्रमाणित सामग्री पर चर्चा करने के बजाय संसद को उन किताबों पर विचार करना चाहिए, जो पहले ही प्रकाशित हो चुकी हैं और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं।

निशिकांत दुबे के अनुसार, ये किताबें नेहरू-गांधी परिवार और कांग्रेस सरकारों के असली इतिहास पर प्रकाश डालती हैं।

यह घटनाक्रम तब हुआ जब इस हफ्ते की शुरुआत में संसद में तीखी बहस हुई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 2020 के भारत-चीन गतिरोध का मुद्दा उठाया।

योगी दा में बिना किसी बॉडी डबल के सभी स्टंट मैंने खुद किए : साई धनशिका

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री साई धनशिका अपनी अपकमिंग फिल्म योगी दा की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। साई फिल्म में एक्शन करती नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि फिल्म योगी दा में सभी स्टंट खुद किए हैं।उन्होंने बताया कि बिना किसी बॉडी डबल के एक्शन सीन पूरे किए महिलाएं चाहें तो पुरुषों जितने शानदार स्टंट कर सकती हैं।

एक इवेंट में साई धनशिका ने बताया, मैंने पहली बार पेरानमाई में एक्शन किया था और वह अनुभव आज भी मेरी मदद करता है। योगी दा में हर स्टंट सीन मैंने खुद किए हैं, बिना किसी बॉडी डबल के। अगर महिलाएं मन बना लें, तो वे पुरुषों की तरह ही अच्छे स्टंट कर सकती हैं।उन्होंने फिल्म के संदेश पर जोर देते हुए कहा, आज महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं।

समाज अक्सर सोचता है कि एक बार अगर कोई महिला शारीरिक रूप से घायल हो जाए, तो वह फिर कभी खड़ी नहीं हो सकती। लेकिन योगी दा दिखाती है कि वह इससे उबर सकती है और मजबूत होकर वापस आ सकती है। हमने यह फिल्म महिलाओं के लिए, उनकी पूरी क्षमता दिखाने के लिए बनाई है।साई धनशिका ने फिल्म के टाइटल की रोचक कहानी भी साझा की।

उन्होंने कहा कि योगी दा का नाम सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कबाली से प्रेरित है। मैंने कबाली में रजनीकांत सर की बेटी का किरदार निभाया था, जिसका नाम योगी था। इसी से योगी दा की शुरुआत हुई। हमने कबाली के लुक और एक्शन स्टाइल में समानताएं देखीं, इसलिए यह नाम चुना। कबाली के लिए मैंने असल में अपने बाल कटवाए थे, लेकिन इस फिल्म के लिए विग का इस्तेमाल किया।

कबाली के बाद कई महिलाओं ने मेरे किरदार से प्रेरित होकर बाल कटवाए थे। तब मुझे एहसास हुआ कि एक फिल्म लोगों पर कितना गहरा असर डाल सकती है।एक्ट्रेस ने अपनी पूरी टीम को दिल से धन्यवाद देते हुए कहा, मेरी पूरी टीम को बहुत-बहुत शुक्रिया। यह आप सबके बिना संभव नहीं होता। मैं मानती हूं कि ज्यादा बोलने से बेहतर है कि काम बात करे, जो मेहनत फिल्मों में दिखती है।

योगी दा एक एक्शन एंटरटेनर है, जिसे गौतम कृष्णा ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म का निर्माण श्री मोनिका सिनी फिल्म्स के बैनर तले सेंथिलकुमार ने किया है। एक्शन से भरपूर फिल्म में साई धनशिका लीड रोल में हैं। यह फिल्म 6 फरवरी को रिलीज होने वाली है।

'दो दीवाने सहर में' का ट्रेलर रिलीज, रोमांटिक फिल्म में जची मृणाल और सिद्धांत की शानदार केमिस्ट्री

मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने सहर में' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। ट्रेलर में दो प्रेमियों की कहानी देखने को मिलती है। दोनों की पसंद अलग है, लेकिन फिर कैसे दोनों एक-दूसरे के प्यार में पड़ते हैं और अंत में उनकी प्रेम कहानी किस मोड़ पर पहुंचती है, ये फिल्म में देखने को मिलेगा।

ट्रेलर की शुरुआत में मृणाल (रोशनी) और सिद्धांत (शशांक) के किरदार अपनी-अपनी आदतों और पसंद के बारे में बताते हैं। इसके बाद ट्रेलर में देखने को मिलता है कि दोनों की शादी की बात होती है, जहां शशांक के घरवाले रोशनी के घर रिश्ता लेकर जाते हैं। दोनों के पेरेंट्स दोनों को शादी करने के लिए कहते हैं और कैसे बात करना है ये बताते हैं। शशांक 'श' को 'स' कहता है, जिसके चलते उसे पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ तक में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। शादी के लिए रोशनी शशांक को मना कर देती है। लेकिन बाद में दोनों एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं और उनके बीच प्यार पलने लगता है। फिर अचानक कुछ ऐसा होता है कि दोनों फिर अलग हो जाते हैं। अंत में क्या होता है, ये जानने के लिए फिल्म देखनी पड़ेगी।

1 मिनट 58 सेकंड के इस ट्रेलर में अरेंज मैरिज, प्यार और प्रोफेशनल लाइफ सभी पर बात की गई है। एक ओर जहां दिखाया जाता है कि प्रोफेशनल लाइफ में किस तरह की दिक्कतें आती हैं और मृणाल का किरदार जैसे हो, वैसे रहने की बात करता है। वहीं दूसरी ओर अरेंज मैरिज के लिए कैसे घर वाले दबाव बनाते हैं और कहते हैं, वो भी दिखाया गया है। ट्रेलर से फिल्म की कहानी के बारे में काफी हद तक पता चलता है। फिल्म के गाने पहले से ही पसंद किए जा रहे हैं। अब देखने है कि फिल्म दर्शकों को कितना प्रभावित कर पाती है।रवि उदयवार द्वारा निर्देशित 'दो दीवाने सहर में' 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी के अलावा नवीन कौशिक, इला अरुण, जॉय सेनगुप्ता और आयशा रजा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

धुरंधर 2 और टॉक्सिक से डरी पेड्डी? अब 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी राम चरण की फिल्म

तेलुगु सुपरस्टार राम चरण के फैंस के लिए गुड न्यूज हैं. राम चरण की आगामी एक्शन स्पोर्ट्स ड्रामा पेड्डी की नई रिलीज डेट आ गई है. मेकर्स ने फिल्म के नए पोस्ट के साथ नई रिलीज डेट से पर्दा हटाया है. फिल्म की रिलीज डेट को अप्रैल तक टाल दिया गया है.डायरेक्टर बुची बाबू सना की बेसब्री से इंतजार की जा रही फिल्म पेड्डी के मेकर्स ने बुधवार को अनाउंस किया कि यह जबरदस्त एक्शन एंटरटेनर फिल्म अब इस साल अप्रैल में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी. मेकर्स ने आगामी फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए बताया कि यह फिल्म अब 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.वहीं, राम चरण ने भी पेड्डी की नई रिलीज डेट के बारे में जानकारी देने के लिए अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है और कैप्शन मे लिखा है, पेड्डी आपसे 30 अप्रैल, 2026 को मिलेंगी. याद दिला दें कि फिल्म के मेकर्स ने पहले अनाउंस किया था कि फिल्म इस साल 27 मार्च को रिलीज होगी. लेकिन अब यह 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.मार्च में बॉक्स ऑफिस पर कई फिल्में रिलीज हो रही हैं, जिनमें से दो बड़ी फिल्में लोगों का ध्यान खींच रही है- पहली रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 और एक्टर यश की टॉक्सिक. ये दोनों फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में एक-दूसरे को टक्कर देने उतरेगी. माना जा रहा है कि इन दोनों फिल्मों के टकराव से बचने के लिए मेकर्स ने पेड्डी की डेट आगे बढ़ाने का फैसला किए होंगे. बता दें पेड्डी की यूनिट ने पिछले साल दिसंबर के आखिरी हफ्ते में अपना दिल्ली शेड्यूल पूरा कर लिया था. जाने-माने सिनेमैटोग्राफर रत्नावेलु ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर दिल्ली के सेट से तस्वीरें पोस्ट की थीं. उन्होंने यह भी बताया था कि यूनिट ने दिल्ली शेड्यूल को शानदार तरीके से पूरा कर लिया है.

आलिया भट्ट ने दृश्यम 2 निर्देशक अभिषेक पाठक से मिलाया हाथ, होगा बड़ा धमाका

अभिनेत्री आलिया भट्ट आगामी फिल्म एल्फा को लेकर चर्चा में हैं जो इसी साल रिलीज होगी। खबर है कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म के लिए कमर कस ली है। अभिनेत्री एक हाई-वोल्टेज ड्रामा प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रही हैं, जिसके लिए उन्होंने निर्देशक अभिषेक पाठक से हाथ मिलाया है। इस फिल्म का शीर्षक हाउसवाइफ होगा और आलिया को एक विवाहित महिला का किरदार निभाते देखा जाएगा। बता दें, अभिषेक ने अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 2 का निर्देशन किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, हाउसवाइफ नाम वाली इस फिल्म की कहानी एक विवाहित जोड़े के इर्द-गिर्द घूमेगी जिसमें आलिया एक गृहणी के किरदार में होंगी। फिल्म में मुख्य पुरुष किरदार के लिए राजकुमार राव से बातचीत चल रही है। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के लिए अपनी दिलचस्प तो दिखाई है, लेकिन अभी तक कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया है। अगर राजकुमार हामी भरते हैं, तो पहली बार फिल्मी पर्दे पर आलिया और राजकुमार की जोड़ी दिखाई देगी।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि आलिया हाउसवाइफ में सिर्फ अभिनय नहीं करेंगी, बल्कि अपनी कंपनी एटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंस और पैनोरमा स्टूडियोज के सहयोग से सह-निर्माता भी होंगी। फिल्म की शूटिंग अगस्त या सितंबर, 2026 के बीच शुरू होने की संभावना है। तब तक निर्देशक दृश्यम 3 की शूटिंग पूरी कर लेंगे जिसके जरिए अजय की दमदार वापसी होगी। फिलहाल, आलिया लव एंड वार में व्यस्त चल रही हैं, जिसमें उनके साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी हैं।

बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस पर 12वें दिन सनी देओल की फिल्म की कमाई में आया उछाल, 400 करोड़ की राह हुई आसान

सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ की वार ड्रामा फिल्म बॉर्डर 2 ने 12 दिने पूरे कर लिए हैं. इन 12 दिनों में फिल्म की वर्ल्डवाइड कमाई 400 करोड़ रुपये के करीब आ गई है. भारत में फिल्म 350 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है. इधर, रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 को बॉक्स ऑफिस पर लोग भूलते दिख रहे हैं. चलिए जानते हैं बॉर्डर 2 की 12 वें दिन और मर्दानी 3 की पांचवें दिन कमाई कितनी हुई है.

बॉर्डर 2 की कमाई में 12वें दिन हल्का उछाल देखा गया. फिल्म ने 12वें दिन 6.69 करोड़ रुपये की कमाई की है. वहीं, बॉर्डर 2 ने 11वें दिन भारत में 6.52 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. जबकि फिल्म ने बीते रविवार 24.22 करोड़ रुपये कमाए थे. फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 315.10 करोड़ रुपये हो चुका है और फिल्म का वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये के करीब आ रही है. सैकनिल्क की मानें तो, बीती 30 जनवरी को रिलीज हुई रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 ने पांचवें दिन 2.50 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. फिल्म का भारत में कुल कलेक्शन 22 करोड़ रुपये का हो गया है.

बता दें, हाल ही में, बॉर्डर 3 का भी ऐलान किया गया है. फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार और निधि दत्ता ने बॉर्डर 3 की गुडन्यूज फैंस को दी थी और अब फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार है

हर महिला के पास होने चाहिए ये 5 तरह की लेगिंग, हर मौके पर आएंगी काम

लेगिंग आजकल की महिलाओं के लिए एक जरूरी फैशन आइटम बन गई हैं। ये न केवल आरामदायक होती हैं, बल्कि सही तरह से पहनने पर स्टाइलिश भी लगती हैं। बाजार में अलग-अलग प्रकार की लेगिंग उपलब्ध हैं, जिन्हें आप मौकों के हिसाब से पहन सकती हैं। आज के फैशन टिप्स में हम आपको 5 तरह की लेगिंग के बारे में बताने वाले हैं, जो हर महिला के पास होनी चाहिए और जिनसे वे हर मौके पर स्टाइलिश दिख सकती हैं।

रोजमर्रा की लेगिंग

रोजमर्रा की लेगिंग दैनिक उपयोग के लिए सबसे अच्छी रहती हैं। ये लेगिंग सूती कपड़े से बनी होती हैं और इनमें खिंचाव भी होता है, जिससे इन्हें पहनना बहुत आरामदायक लगता है। आप इन्हें टी-शर्ट या कुर्ते के साथ पहन सकती हैं। ये लेगिंग घर से बाहर जाने या दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती हैं। इनका रंग और डिजाइन भी आप अपनी पसंद के अनुसार चुन सकती हैं।

कसरत वाली लेगिंग

कसरत वाली लेगिंग एक्सरसाइज करने के लिए बनाई जाती हैं। इनमें अधिक खिंचाव होता है और ये पसीना सोखने वाली होती हैं, जिससे आपकी एक्सरसाइज का अनुभव बेहतर हो सकता है। इन लेगिंग की खासियत यह है कि ये जल्दी से सूख जाती हैं और लंबे समय तक अच्छी गुणवत्ता में रहती हैं। आप इन्हें जिम या घर पर योग या एक्सरसाइज करते समय पहन सकती हैं। अच्छे ब्रांड वाली लेगिंग में निवेश करें, ताकि वे जल्दी खराब न हों।

ऑफिस के लिए लेगिंग

ऑफिस के लिए लेगिंग कामकाजी माहौल के लिए उपयुक्त होती हैं। इनमें अधिक फिटिंग होती है और ये अधिक पेशेवर लुक दे सकती हैं। आप इन्हें ब्लाउज या शर्ट के साथ पहन सकती हैं। इन लेगिंग की खासियत यह है कि ये आपको एक साफ-सुथरा लुक देती हैं, जिसे ऑफिस या किसी औपचारिक कार्यक्रम में पहना जा सकता है। ऑफिस के लिए आपको काली, गहरी नीली या सफेद लेगिंग लेनी चाहिए।

पार्टी वाली लेगिंग

पार्टी वाली लेगिंग खासतौर पर त्योहारों या किसी विशेष अवसर पर पहनी जा सकती हैं। इनमें चमकदार तत्व एलजीई हो सकते हैं, जैसे चमकीले रत्न या ग्लिटर। ये आपको पार्टी में अलग दिखा सकती हैं और खास लुक दे सकती हैं। आप इन्हें चोली या किसी स्टाइलिश टॉप के साथ पेयर कर सकती हैं। इन लेगिंग की खासियत यह है कि ये कई अलग-अलग तरीकों से स्टाइल की जा सकती हैं और आराम से भी समझौता नहीं करना पड़ता है।

यात्रा के लिए लेगिंग

ये लेगिंग आप लंबी यात्रा करते समय पहन सकती हैं। इनमें आमतौर पर एक पट्टा लगा होता है, जो कमर पर फिट रहता है और इनमें जेब भी होती हैं। इन जेबों में आप छोटी-मोटी चीजें रख सकती हैं, जो यात्रा के दौरान काम आती हैं। इन लेगिंग की खासियत यह है कि ये पूरी तरह से आरामदायक अनुभव देती हैं, चाहे आप कितनी भी देर तक इन्हें पहने रहें। आप इन्हें टैंक टॉप के साथ पेयर कर सकती हैं।

सेब का स्वाद इन भारतीय पकवानों को बना देगा और लजीज, बार-बार खाने का करेगा दिल

सेब एक ऐसा फल है, जो स्वाद में बेहतरीन होता है और सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। आमतौर पर लोग सेब का जूस पीते हैं या फिर इसे कच्चा खाते हैं। हालांकि, इसके जरिए आप कई अनोखे और लजीज व्यंजन भी बना सकते हैं। इस लेख में हम आपको 5 स्वादिष्ट व्यंजनों की रेसिपी बताएंगे, जो सेब से बनती हैं। ये व्यंजन आपके घर में सभी को पसंद आएंगे और झटपट बन जाएंगे।

सेब का रायता

रायता भारतीय खान-पान की एक बेहतरीन साइड डिश है। आमतौर पर यह दही और सब्जियों से बनाया जाता है, लेकिन आप सेब से भी इसे तैयार कर सकते हैं। इसके लिए दही में कद्दूकस किया हुआ सेब मिला दें। इसके बाद इसमें भुना हुआ जीरा पाउडर, नमक और थोड़ा-सा काला नमक डाल दें। इसे अच्छे से मिलाकर ठंडा करें और खाने से पहले इसमें थोड़ा-सा हरा धनिया डालें। यह रायता आपके खाने को एक नया और चटपटा स्वाद देगा।

सेब की चटनी

आपने आम, पुदीने या नारियल की चटनियां तो कई बार बनाई होंगी। हालांकि, इस बार सेब की खट्टी-मीठी चटनी बनाकर परिवार वालों को खिलाएं। इसके लिए सेब को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन, हरी मिर्च, नमक और थोड़ा-सा नींबू का रस मिलाकर पीस लें। इसे आप चावल, पराठे, रोटी या फिर पकौड़े आदि जैसे किसी भी व्यंजन के साथ खा सकते हैं। इसका खट्टा-मीठा स्वाद आपको जरूर पसंद आएगा।

सेब का पुलाव

पुलाव तो सभी के घरों में बनता है, लेकिन अगर इसमें सेब का जायका जुड़ जाए तो मजा दोगुना हो जाता है। इसके लिए बासमती चावल को धोकर भिगो दें। इसी दौरान कढ़ाई में घी गर्म करके उसमें जीरा, तेजपत्ता और लौंग डालें। अब प्याज और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें, फिर इसमें कद्दूकस किया हुआ सेब मिलाएं और मसाले डालें। इसके बाद चावल और पानी डालकर पकाएं। यह पुलाव न केवल स्वादिष्ट होगा, बल्कि सेहतमंद भी होगा।

सेब की सब्जी

रोजाना एक ही तरह की सब्जियां खा-खा कर ऊब गए हैं तो सेब की सब्जी बना लें। इसके लिए प्याज और टमाटर का पेस्ट बनाकर तेल में भूनें। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर पका लें। अब मसाले डालकर पानी मिलाएं और उबाल आ जाने दें। इसके बाद इसमें कटे हुए सेब डालकर पका लें। थोड़ी देर पकाने के बाद इसमें नारियल का दूध मिलाएं। इसे आप रोटी या चावल के साथ खा सकते हैं।

सेब का हलवा

हलवा आम तौर पर सूजी या गाजर का बनता है, लेकिन सेब का हलवा भी लजीज होता है। इसके लिए कद्दूकस किए हुए सेब को घी में अच्छी तरह भून लें। इसके बाद इसमें दूध डालकर कुछ देर पकाएं। जब दूध आधा हो जाए तो उसमें चीनी मिलाएं और अच्छे से भूनें। इसके बाद इसमें इलायची पाउडर डालें और गैस बंद करें। इसे गाढ़ा होने तक ढकें और मेवे डालकर परोसें।

रूस का बड़ा फैसला, अमेरिका के साथ परमाणु हथियार नियंत्रण समझौता किया समाप्त

मॉस्को (आरएनएस) । रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अब रूस और अमेरिका के बीच हुए न्यू स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी यानी न्यू स्टार्ट समझौते से जुड़ी कोई बाध्यता दोनों देशों पर नहीं रह गई है। मंत्रालय का मानना है कि समझौते की अवधि खत्म होने के बाद अब दोनों पक्ष इसके नियमों को मानने के लिए मजबूर नहीं हैं।

रूस के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि परमाणु हथियारों की तय सीमा को समझौते की समाप्ति के बाद भी स्वेच्छा से बनाए रखने के रूस के प्रस्ताव पर अमेरिका की तरफ से अभी तक कोई औपचारिक और साफ जवाब नहीं मिला है। यह समझौता 5 फरवरी को खत्म हो चुका है।

मंत्रालय ने कहा कि मौजूदा हालात में रूस यह मानता है कि न्यू स्टार्ट समझौते से जुड़े सभी पक्ष अब इस समझौते की शर्तों और आपसी घोषणाओं से मुक्त हो चुके हैं। इसमें समझौते के मुख्य नियम भी शामिल हैं। अब दोनों देश अपने अगले कदम खुद तय करने के लिए स्वतंत्र हैं।

रूस ने यह भी कहा कि यदि उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा को किसी नए खतरे का सामना करना पड़ा, तो वह उससे निपटने के लिए कड़े सैन्य और तकनीकी कदम उठाने के लिए तैयार है। समाचार एंजेसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि मंत्रालय ने यह भी साफ किया कि अगर सही हालात बनते हैं, तो रूस रणनीतिक स्थिरता बनाए रखने के लिए राजनीतिक और कूटनीतिक बातचीत के लिए भी तैयार है।

न्यू स्टार्ट समझौता रूस और अमेरिका के बीच वर्ष 2010 में हुआ था। इसका उद्देश्य दोनों देशों के परमाणु हथियारों और उन्हें ले जाने वाले साधनों की संख्या को सीमित करना था। यह समझौता 5 फरवरी 2011 से लागू हुआ था। पहले इसकी अवधि 10 साल की थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 5 फरवरी 2026 तक कर दिया गया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सितंबर 2025 में कहा था कि अगर अमेरिका ऐसे कदम नहीं उठाता जिससे रणनीतिक संतुलन बिगड़े, तो रूस समझौते की मूल सीमाओं का पालन समाप्ति के बाद भी एक साल तक करता रहेगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी में कहा था कि उन्हें इस समझौते के खत्म होने की ज्यादा चिंता नहीं है और उन्हें उम्मीद है कि दोनों देश किसी नए समझौते पर पहुंच सकते हैं। गौरतलब है कि न्यू स्टार्ट समझौता ही अब रूस और अमेरिका के बीच हथियार नियंत्रण से जुड़ा आखिरी बड़ा समझौता बचा है। इससे पहले अमेरिका वर्ष 2019 में इंटरमीडिएट-रेंज न्यूक्लियर फोर्सेज ट्रीटी से बाहर निकल चुका है।

इमरान खान की स्वास्थ्य स्थिति चिंताजनक.बेटे कासिम ने वीजा नहीं देने का लगाया आरोप

कासिम की अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील, पिता के लिए तत्काल हस्ताक्षेप करें

इस्लामाबाद (आरएनएस) । जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की

स्वास्थ्य स्थिति चिंताजनक है। उनके बेटे कासिम खान ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान सरकार जानबूझकर उनके और उनके बड़े भाई सुलेमान के वीजा आवेदन रोक रही है, जिससे वे अपने पिता से मिलने पाकिस्तान नहीं जा पा रहे हैं। कासिम ने पोस्ट में लिखा कि उनके पिता को 914 दिनों से एकांत कारावास में रखा गया है, जहां उनकी सेहत बिगड़ रही है और उन्हें स्वतंत्र चिकित्सा सुविधा से वंचित रखा गया है। उन्होंने कैदी के इलाज से वंचित रखने और बच्चों को पिता से मिलने के अधिकार से वंचित करने वाला सामूहिक दंड बताया। रिपोर्ट के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब सरकार ने इमरान खान को पाकिस्तान चिकित्सा विज्ञान संस्थान (पीआईएमएस) में स्थानांतरित करने की पुष्टि की। उधर इमरान की पार्टी पीटीआई ने गुप्त स्थानांतरण बताकर अधिकारियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने परिवार और पार्टी नेतृत्व को अनभिज्ञ रखा और निजी डॉक्टरों से मिलने से रोका। विपक्ष के नेता महमूद खान अचकज़ई ने भी नेशनल असेंबली में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से अपील की कि इमरान को उनके विश्वसनीय चिकित्सकों द्वारा चिकित्सा जांच की अनुमति दी जाए। बात दें कि कासिम और सुलेमान फिलहाल अपनी मां जेमिमा गोल्डस्मिथ के साथ लंदन में रह रहे हैं।

भारत किसी भी देश से कच्चा तेल खरीदने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र, वेनेजुएला तेल खरीद पर रूस का बयान

मॉस्को (आरएनएस) रूस ने स्पष्ट किया है कि भारत किसी भी देश से कच्चा तेल खरीदने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है और तेल आपूर्तिकर्ताओं में विविधता लाने की नई दिल्ली की कोशिश न तो नई है और न ही मॉस्को के खिलाफ है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस कभी भी भारत का एकमात्र ऊर्जा साझेदार नहीं रहा है और तेल खरीद के स्रोतों में बदलाव को असामान्य मानना गलत होगा।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पेस्कोव ने कहा कि अन्य सभी अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा विशेषज्ञों की तरह रूस भी यह अच्छी तरह जानता है कि वह भारत को तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति करने वाला अकेला देश नहीं है। भारत लंबे समय से विभिन्न देशों से ये उत्पाद खरीदता रहा है, इसलिए इसमें कुछ भी नया नहीं है।

पुर्तगाल में तूफानों का कहरः अब तक 11 लोगों की मौत और अरबों यूरो का नुकसान

लिस्बन(ए)। पुर्तगाल में जनवरी के अंत से शुरू हुआ तूफानी मौसम थमने का नाम नहीं ले रहा है। देश में एक के बाद एक आ रहे विनाशकारी तूफानों ने भारी तबाही मचाई है, जिसमें अब तक 11 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। ताजा घटना दक्षिणी पुर्तगाल के सेरपा क्षेत्र की है, जहाँ अमोरेइरा बांध के पास एक 64 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। राष्ट्रीय रिपब्लिकन गार्ड के अधिकारियों के अनुसार, वह व्यक्ति अपनी कार से सड़क पार करने की कोशिश कर रहा था, तभी अचानक आई बाढ़ के तेज बहाव में उसकी गाड़ी बह गई। हाल के दिनों में पुर्तगाल कई शक्तिशाली तूफानी प्रणालियों की चपेट में रहा है, जिनमें तूफान क्रिस्टिन सबसे अधिक घातक साबित हुआ है। इस विनाशकारी सिलसिले के बीच अब तूफान लियोनार्डो ने भी देश को प्रभावित करना शुरू कर दिया है, जिससे राहत कार्यों में बाधा आ रही है।प्राकृतिक आपदा की गंभीरता को देखते हुए पुर्तगाल के प्रधानमंत्री लुईस मोंटेनेग्रो ने प्रभावित परिवारों और व्यापारियों की मदद के लिए 2.5 बिलियन यूरो के विशाल सहायता पैकेज की घोषणा की है।

ईरान ने नए अंडरग्राउंड मिसाइल बेस का किया अनावरण, कमांडर ने किया दौरा

-मौसबी बोले- दुश्मनों की किसी भी कार्रवाई का सामना करने हम पूरी तरह तैयार

तेहरान,(ए)। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने नए अंडरग्राउंड मिसाइल बेस का अनावरण किया। ईरान के हवाले से बताया कि बुधवार को ईरानी रक्षा बलों के चीफ ऑफ स्टाफ अब्दोलरहीम मौसवी और आईआरजीसी के एयरोस्पेस डिवीजन के कमांडर सईद मजीद मौसवी दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरे के दौरान ही मिसाइल बेस का अनावरण किया गया।

रिपोर्ट में बताया गया कि दौरे के दौरान आईआरजीसी की मिसाइल इकाइयों की क्षमताओं और उनकी संचालन संबंधी तैयारियों का आकलन किया गया। इसके साथ ही ईरान की सुरक्षा बलों के वरिष्ठ कमांडरों को रणनीतिक इकाइयों की प्रगति और मौजूदा तैयारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

मौसवी ने कहा कि ईरान ने अपनी बैलिस्टिक मिसाइलों को सभी तकनीकी मामलों में अपग्रेड करके हमलों को रोकने की ताकत को मजबूत करने में

कामयाबी हासिल की। उन्होंने कहा कि देश दुश्मनों की किसी भी कार्रवाई का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। जून 2025 में इजरायल के साथ संघर्ष के बाद, ईरान ने अपनी सैन्य रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। अब सैन्य डॉक्ट्रिन को रक्षात्मक से आक्रामक रुख में बदला गया है, जो तेज गति से और व्यापक स्तर पर अभियान चलाने पर केंद्रित है। इसके साथ ही असममित युद्ध पद्धतियों और निर्णायक, कुचल देने वाली सैन्य रणनीति को अपनाया गया है।

बता दें ईरान के पास वॉशिंगटन की मिलिट्री मौजूदगी बढ़ने की वजह से दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। ट्रंप ने ईरान को धमकी दी है कि या तो वह अमेरिका के साथ डील करे या फिर उस पर हमला होने का खतरा हो। मौसवी ने भी चेतावनी दी कि अमेरिका की किसी भी गलती का ईरान मुंहतोड़ जवाब देगा। अगर अमेरिका ईरान पर हमला करता है, तो यह केवल यूएस के साथ नहीं, बल्कि एक क्षेत्रीय युद्ध होगा। उन्होंने कहा कि जरा सी भी गलती ईरान को एक्शन लेने की आजादी दे देगी, फिर कोई भी अमेरिकी सुरक्षित नहीं रहेगा और इलाके की आग अमेरिका और उसके साथियों को जला देगी।

अन्तर्राष्ट्रीय मदद में कटौती से वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली हो रही कमजोर

-डब्ल्यूएचओ ने कहा- संक्रमण और स्वास्थ्य सेवाओं के नाजुक होने का ख़तरा बढ़ा

जिनीवा,(ए.)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी दी है कि अन्तरराष्ट्रीय सहायता में हुई कटौती और वित्तीय समर्थन की निरन्तर कल्लित से वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली कमजोर हो रही है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉक्टर टैड्रॉस ऐडहेनॉम घेबरेयेसस ने कहा है कि यह स्थिति और भी गम्भीर है, क्योंकि महामारी, दवाओं के प्रति प्रतिरोधी संक्रमण और स्वास्थ्य सेवाओं के नाजुक होने का ख़तरा लगातार बढ़ रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉक्टर टैड्रॉस ने बैठक को सम्बोधित करते हुए बताया कि बीते साल वित्तीय सहायता में भारी कटौती के कारण, स्वास्थ्य संगठन को अपने कार्यबल में कमी करनी पड़ी, जिसके गम्भीर और दूरगामी प्रभाव हुए हैं। यूएन स्वास्थ्य एजेंसी ने आगाह किया है कि द्विपक्षीय सहायता में अचानक, बड़े पैमाने पर हुई कटौती ने, अनेक देशों में स्वास्थ्य प्रणालियों और सेवाओं के सामने चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। डॉक्टर टैड्रॉस ने वर्ष 2025 को विश्व स्वास्थ्य संगठन के इतिहास में सबसे कठिन वर्षों में से एक करार दिया।

खेल समाचार

डेड बॉल से बाउंड्री कैचिंग समेत क्रिकेट के कई नियम में हुए बदलाव, एक अक्टूबर से लागू होंगे नए नियम

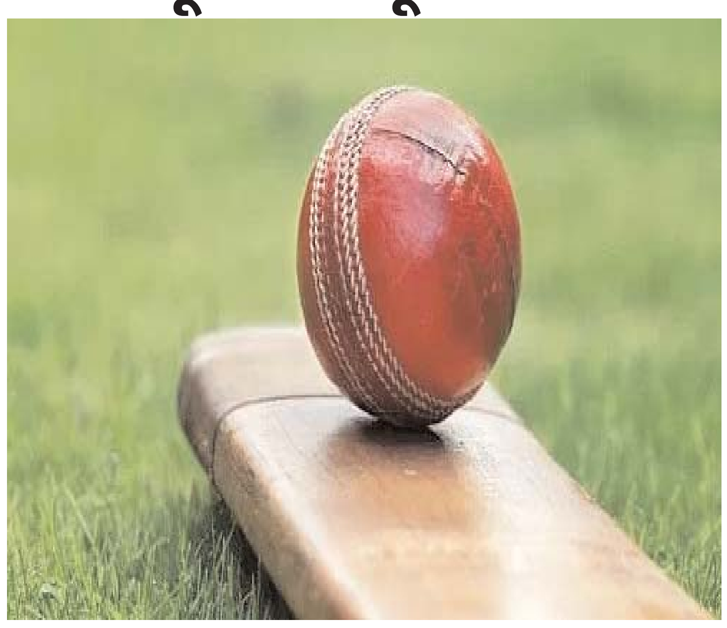

नईदिल्ली (ए.)। क्रिकेट की दुनिया में मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) नियम व कानून बनाने में अहम भूमिका निभाता है. जबकि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) इन नियमों को मैच में लागू करता है. ये नियम इस बात पर असर डालते हैं कि खेल कैसे खेला जाता है और समझा जाता है.एमसीसी ने 2026 एडिशन जारी किया है, जिसमें खेल के नियमों में किए गए बदलाव पर जोर दिया गया है. इसे दो साफ उद्देश्यों के साथ तैयार किया गया है. क्रिकेट के कानून बनाने वाले इस क्लब ने कुल 73 नियमों में संशोधन किए हैं, लेकिन इनमें से 8 नियमों में बदलाव सबसे अहम हैं.सबसे ज्यादा असरदार बदलावों में से एक टेस्ट क्रिकेट में हुआ है, जहां, अब तक, दिन के आखिरी ओवर में विकेट गिरने पर खेल तुरंत खत्म हो जाता था, जिससे आने वाले बल्लेबाज बाकी गेंदों का सामना करने से बच जाते थे. लेकिन अब अक्टूबर 2026 से, आउट होने के बावजूद आखिरी ओवर पूरा खेला जाएगा. ये बदलाव उस नतीजे को खत्म करते हैं जिसे फील्डिंग टीम के लिए गलत माना जाता था.जानबूझकर शॉर्ट रन के लिए पहले से ही पांच रन की पेनल्टी है, लेकिन अपडेटेड नियम में एक कड़ी सजा जोड़ी गई है. जिसमें अब, फील्डिंग टीम ये चुनेगी कि अगली गेंद पर कौन सा बल्लेबाज स्ट्राइक पर रहेगा. इस तरह, फील्डिंग कप्तान अब इस नियम का इस्तेमाल एक टैक्टिकल हथियार के तौर पर कर सकते हैं, और कमजोर बल्लेबाज को स्ट्राइक पर ला सकते हैं.एक फील्डर जो बाउंड्री लाइन के बाहर से कूदकर कैच करता है, वह हवा में रहते हुए गेंद को सिर्फ एक बार छू सकता है. उस टच के बाद, उसे बाकी गेंद के लिए खेल के मैदान के अंदर पूरी तरह से जमीन पर होना चाहिए.पहले, डेड बॉल उस गेंद को माना जाता था कि गेंद गेंदबाज या विकेट-कीपर के हाथों में होनी चाहिए. अब, बॉल को डेड माना जाएगा अगर उसे कोई फील्डर पकड़ ले या वह जमीन पर स्थिर हो जाए.विकेट-कीपर को अब बॉलर के रन-अप के दौरान स्टंप्स के सामने ग्लव्स रखने पर पेनल्टी नहीं लगेगी. यह पेनल्टी अब तभी लागू होगी जब गेंदबाज के हाथ से गेंद रिलीज हो जाएगी.अगर कोई बैटर शॉट खेलने के बाद बैलेंस खोकर स्टंप्स पर गिर जाता है, तो उसे आउट माना जाएगा क्योंकि उसे बॉल खेलने की क्रिया में माना जाएगा. अगर कोई बैटर फील्डर से टकरा कर स्टंप्स पर गिरता है या फिर उसका कोई पार्ट उससे अलग होकर स्टंप्स पर लग जाता है, तो उसे नॉट आउट दिया जाएगा.ओवरथ्रो अब खास तौर पर फील्डर द्वारा रन आउट करने की कोशिश को माना जाएगा. मिसफील्ड, खासकर बाउंड्री के पास मिसफील्ड, को अब ओवरथ्रो नहीं माना जाएगा.एमसीसी द्वारा बताई गई बॉल पर कंट्रोल की नई परिभाषा कहती है कि बॉल पकड़ी हुई हो और पूरी तरह से कंट्रोल में हो. रनआउट करते समय बॉल से बहुत हल्का सा संपर्क अब आउट करने के लिए काफी नहीं होगा।

भारत और इंग्लैंड के बीच आज खेला जाएगा यूथ अंडर 19 विश्व कप क्रिकेट

दोपहर एक बजे से खेला जाएगा खिताबी मुकाबला

हरारे (ए.)। भारत और इंग्लैंड की टीमें शुक्रवार को यहां यूथ अंडर 19 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेलने उतरेंगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को हराकर दसवीं बार फाइनल में प्रवेश किया जबकि इंग्लैंड टीम छठी बार फाइनल में पहुंची है। भारत और इंग्लैंड दोनो ही टीमों ने अपने-अपने सभी मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनायी है। भी अपने सभी मैच जीते हैं. दोनों टीमों के बीच फाइनल छह फरवरी को हरारे में भारतीय समय के मुताबिक दोपहर एक बजे से खेला जाएगा।

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और इंग्लैंड की टीमों ने अब तक अंडर 19 में 55 यूथ एकदिवसीय मैच खेले हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 41 मुकाबलों में जीत हासिल की है। वहीं भाररीय टीम को 13 मुकाबलों में उसे हार मिली जबकि एक मैच का परिणान नहीं निकला।। दूसरी ओर इंग्लैंड को 13 मैचों में जीत मिली है। फाइनल में पहुंचने के बाद उत्साहित भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने कहा कि यहां पहुंचने का अहसास काफी अच्छा है। हमारे लिए विश्वकप कप फाइनल खेलना सुखद अनुभवी है। सभी प्रशंसकों से मेरी अपील है कि आप इसी प्रकार हमारा समर्थन करते रहें। हम फाइनल मैच में अपनी ओर से जीतने का पूरा प्रयास करेंगे। हम फाइनल मैच को केवल एक गेम की तरह ही रखेंगे।

भारत ने जहां पहले सेमीफाइनल में आरोन जॉर्ज के 115 रनों की शतकीय पारी से अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 27 रन से हराकर फाइनल में जगह बनायी है। उनकी बल्लेबाजी लाइन-अप के साथ-साथ गेंदबाजी यूनिट भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करती आई है। ऐसे में फाइनल में इंग्लैंड भारत को कड़ी चुनौती दे सकता है।

भारतीय टीम: आयुष म्हात्रे (कप्तान), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, डी. दीपेश, मोहम्मद एमान, एरॉन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उदय मोहन, हेमिल पटेल, खिलान ए. पटेल, हर्षवर्धन सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी।

इंग्लैंड टीम: थॉमस रेव (कप्तान), फरहान अहमद, रॉकी अलर्ट, बिल वीसन, बेन डॉकिन्स, कालेब फॉल्कनर, अली फारूक, एलेक्स फ्रेंच, एलेक्स ग्रीन, ल्यूक हेंडरसन, मैनी लार्डन, बेन मेयर, जेम्स मीटो, जो मूर्स, सेबेस्टियन मॉर्गन।

सरफराज खान अस्पताल में भर्ती, रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से पहले मुंबई को लगा झटका

मुंबई, (ए.)। मुंबई क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज सरफराज खान को वायरल बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसे में शुक्रवार से मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स पर कर्नाटक क्रिकेट टीम के खिलाफ शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल में उनका खेलना संदिग्ध है। बुधवार को सरफराज मुंबई टीम के साथ मौजूद थे, जब दिग्गज खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने खिलाड़ियों के साथ खास संवाद सत्र आयोजित किया था।

रिपोर्ट के अनुसार, सरफराज को वायरल बुखार है, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी तबीयत ठीक नहीं है, इसी वजह से वह दिल्ली के खिलाफ मुंबई के पिछले मैच में फील्डिंग के लिए भी मैदान पर नहीं उतर सके थे।

टी20 विश्वकप में अभिषेक पर रहेंगी नजरें : शास्त्री

मुम्बई (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री मानना है कि टी20 विश्वकप में आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर सभी की नजरें रहेंगी। शास्त्री के अनुसार अभिषेक इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के ट्रंप कार्ड साबित होंगे। इस पूर्व कोच के अनुसार अभिषेक निडर होकर खेलते हैं। उनमें गजब का आत्मविश्वास है और ऐसे में वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विरोध टीम के गेंदबाजी क्रम को धवस्त कर देते हैं। इसके अलावा उन्हें घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। इससे वह टूर्नामेंट के सबसे खतरनाक बल्लेबाज बनकर उभरेंगे। यहां एक कार्यक्रम में शास्त्री ने अभिषेक की जममर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह विश्वकप में सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी होंगे जो मैच बदलने में सक्षम रहेगा। उनके अनुसार अभिषेक इस समय जबरदस्त लय में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। जिस प्रकार का आत्मविश्वास उसके अंदर भरा हुआ है। उससे भी उससे एक आक्रामक बल्लेबाज बनने में सहायता मिली है।

वह मैदन में उतरते ही विरोधी टीम के गेंदबाजों पर दबाव बना देता है।

जून में शादी के बंधन में बंध सकते हैं रिंकू और प्रिया

नई दिल्ली (ए.)। क्रिकेटर रिंकू सिंह सपा सांसद प्रिया सरोज के साथ इसी साल जून में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। रिंक अभी

आईसीसी टी20 विश्वकप के लिए टीम के साथ हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी शादी की तारीख शीघ्र ही सामने आयेगी। रिंकू और प्रिया की सगाई पिछले साल लखनऊ में हुई थी। इसमें कई दिग्गज राजनेता और क्रिकेटर भी शामिल हुए थे। पहले दोनों के शादी को लेकर 18 नवंबर 2025 की तारीख सामने आई थी पर रिंकू के व्यस्त होने के कारण इसे टाल दिया गया था। रिंकू की सगाई की तस्वीरों को प्रशंसकों ने खूब पसंद किया था। प्रिया के साथ उनके रिश्ते की खबर सोशल मीडिया पर छायी रही थी। सगाई की तस्वीरें और डांस के वीडियो भी प्रशंसकों ने जमकर पसंद किये थे। रिंकू आईपीएल 2024 के बाद से ही भारतीय टीम के साथ हैं।

रेत कंपनी के वाहन में टक्कर मार कर पथराव करते हुए गाड़ी को क्षतिग्रस्त किया

रेत माफियां के द्वारा की गई झूठी एफआईआर

कजलाश टिगरिया क्षेत्र में किया जा रहा है रेत का अवैध कारोबार

नर्मदापुरम (निप्र)। कजलाश के पास रेत माफिया सक्रिय है। अवैध रूप से ट्रैक्टर से रेत का परिवहन किया जा रहा है। जब इस संबंध में ठेके लेने वाली रेत कंपनी के द्वारा चेकिंग की जा रही है तो रेत माफिया को नागवार गुजर रहा है। पूर्व में भी रेत माफिया के द्वारा कंपनी को नुकसान पहुंचाया गया है। पिछले दिनों योजनावद्ध तरीके से ट्रैक्टर जला कर शिकायत की गई। तथा कंपनी की गाड़ी को टक्कर मार कर क्षतिग्रस्त किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेसर्स वेलोसिटी माइनिंग वर्क्स एलएलपी कंपनी द्वारा नर्मदापुरम .2 समूह में स्थित 34 रेत खदानो का टेंडर 85 करोड रुपये सालाना में शासन से रेत उत्खत्न एवं परिवहन के लिए ठेके पर लिया गया है। जिसमें नर्मदापुरम तहसील एवं सिवनी मालवा तहसील स्थित 34 रेत खदाने आती है। कुछ दिन पूर्व 31 जनवरी को कजलास एवं टिगारिया ग्राम में जो रेत को लेकर विवाद हुआ है। उसमें कंपनी वालों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम कजलास एवं टिगारिया में पिछले 1 वर्ष से अवैध रूप से ट्रेक्टर.ट्रॉलियो से रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन गाँव के रेत माफियाओं के द्वारा किया जा रहा था। कंपनी के कर्मचारी ग्राम कजलास एवं टिगारिया के पास मिसरोद स्थित गांव में मैन रोड से निकल रहे थे। उक्त समय गांव के अवैध उतखननकर्ताओ द्वारा दो ट्रेक्टर से हमारी कंपनी की स्कॉपियो में जोरदार टक्कर मारी गई जब कंपनी के कर्मचारी गाडियों से नीचे उतरे तो ग्रामीणो ने पथराव चालू कर दिया। वायरल वीडियो में सिर्फ एक पक्ष ही दिखाया है। जबकि मिसरोद में ही रॉयल्टी काउन्टर पर इन्ही अवैध उतखननकर्ताओ द्वारा 1 वर्ष पूर्व नाके को जला दिया गया था। इन्ही दोनो गाँव से प्रतिदिन 30 से 35 ट्रेक्टर ट्रॉली बिना रॉयल्टी के बाजार में बेची जा रहे थे। रोक लगाने कंपनी द्वारा जांच की जा रही थी। कंपनी वालों का कहना है कि ग्रामीण द्वारा उस दिन रात्री में ट्रेक्टर को जलाना बताया जा रहा है उक्त रात्री के समय सभी कर्मचारी ऑफिस केम्पस में कैमरों की जद में थे जिसकी फ़ोटो वीडियो मौजूद है। जिस गाँव में दिन दहाडे अवैध उतखननकर्ताओ के द्वारा इतना उत्तपात मचाया जा सकता है उस गाँव मे कोई कर्मचारी नौकरी करने वाला ट्रेक्टर जलाने की हिम्मत कैंसे कर सकता है। खेती किसानी के नाम पर ट्रेक्टर उठा लिये जाते है। उस रात भी इन्ही लोगो द्वारा ट्रेक्टर में आग लगाई है। संभवत: आपसी रंजिश में ट्रेक्टर को आग के हवाले किया है। जिससे पूरी बात कंपनी पर आ जाये। सोशल मीडिया पर इनके प्रोफाइल अवैध रेत से भरे ट्रेक्टर.ट्रालियो के साथ रेत माफिया, गुंडे बदमाश वाले डायलोगों से भरे हुए हैं। कुछ माह पूर्व भी तथाकथित रेत माफियाओ द्वारा तवा पूल पर जाम लगा कर प्रशासन को रेत कंपनी के खिलाफ गुमराह किया जा रहा था। सच्चाई कुछ और थी। इसी प्रकार आये दिन माफिया द्वारा कंपनी पर दबाव बनाने खदाने बंद करने के लिये झूठे षडयंत्र रचे जाते है। ताकि यह आसानी से रेत चोरी कर सकें। सामाजिक संगठनो को भी यह लोग गुमराह कर कंपनी के खिलाफ करते हैं। पूर्व मे भी आरकेटीसी रेत कंपनी इन्ही कारणों से रेत का टेन्डर इस जिले से छोड़ कर चली गई थी। जिससे नर्मदपुरम जिला 2 वर्ष के लिए बंद था और शासन को करोड़ों के राजस्व की हानि हुई थी। हमारे द्वारा शासन को करोडो का राजस्व देकर वैध रेत खदाने संचालित की जा रही है। और सभी ग्रामीणो को बराबर रोजगार दिया जा रहा है। इस पूरी घटना में जिनके द्वारा झुठी एफआईआर की गई है वह सचिन कीर निवासी टिगारिया और गुलशन निमोदा के ऊपर खनिज विभाग ओर डोलरिया थाने मे रेत चोरी के मामले दर्ज हैं। इन अवैध उतखननकर्ताओ द्वारा ग्राम टिगरिया से नानपा गाँव तक की सड़कों को पूर्णत: छतिग्रस्त कर 3.-3 फिट के गड्ढे कर दिए है जिससे आम ग्रामीण को बढ़ी परेशानी उठानी पड़ती है। उक्त अवैध उतखननकर्ताओ द्वारा सोशल मीडिया पर एवं मौखिक रूप से झुठी अफवाह फैलाकर प्रशासन एवं आमजन को गुमराह किया जा रहा है इस घटना की कंपनी निष्पक्ष जांच की मांग कर रही है।

संसद में गूंजी एमपी की सड़क सुरक्षा की आवाज; माया नारोलिया ने आवारा पशुओं से बढ़ती दुर्घटनाओं पर पेश किया ठोस रोडमैप

नर्मदापुरम (निप्र)। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने आज सदन के माध्यम से मध्य प्रदेश की सड़कों को जीरो एक्सीडेंट जोन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। उन्होंने पिछले दो वर्षों के पुलिस रिकॉर्ड का हवाला देते हुए बताया कि प्रदेश में आवारा पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाएं एक बड़ी चुनौती हैं। श्रीमती नारोलिया ने केवल समस्या ही नहीं उठाई, बल्कि मंत्रालय को 5 सूत्रीय समाधान भी सुझाए, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर डेटा संकलन और पशु आश्रय स्थलों के लिए केंद्रीय सहयोग की मांग शामिल है। उन्होंने विश्वास जताया कि मोदी सरकार के नेतृत्व में सड़क परिवहन मंत्रालय इन सुझावों पर त्वरित कार्रवाई करेगा, जिससे हजारों परिवारों को उजड़ने से बचाया जा सकेगा।

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय CHO (1 बैच) की बैठक की गई आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। गुरूवार को राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय CHO (1 बैच) की बैठक सीएमएचओ नर्मदापुरम श्री नरसिंह गहलोत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कार्यकम का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से होने वाले दुष्प्रभाव को रोकने हेतु जागरूक करना है।बैठक मैं स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जा रही गतिविधियों की जानकारी दी गई। इसी तारतम्य मै सभी को NPCCHH की गतिविधियों आयोजित करने को कहा गया। एवं सभी विभागों के समन्वय से जलवायु परिवर्तन के कारण मानव स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभाव को रोका जा सके एवं मानव कल्याण की रक्षा की जा सके। बैठक मैं डॉ सृजन सिंह सेंगर DHOv, आरएस चौहान जिला नोडल अधिकारी npcchh, डॉ मिलिन सोनी, डॉ आलिया जिला क्वालिटी मॉनिटर NQAS, प्रो रवि उपाध्यय एन एम बी महाविद्यालय द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से सभी को जानकारी दी।

श्रद्धा, संस्कृति और आपसी सद्भाव का प्रतीक श्री रामजी बाबा मेला 10 फरवरी तक होगा संचालित

विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों से लगे मेले में चार चांद

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले का प्रसिद्ध संत शिरोमणि श्री राम जी बाबा मेला इन दिनों गुप्ता ग्राउंड में पूरे उत्साह और श्रद्धा भाव के साथ संचालित हो रहा है। मेले में प्रतिदिन आयोजित हो रहे धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पारंपरिक कार्यक्रम बड़ी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालुओं और दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं।उल्लेखनीय है कि ऐतिहासिक श्री रामजी बाबा मेला श्रद्धा, संस्कृति और सौहार्द एवं सद्भाव का प्रतीक माना जाता है। यह मेला पूरे जिले का प्रमुख आयोजन है, जिसमें प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु श्री रामजी बाबा के समाधि स्थल पर दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं तथा मेले का आनंद उठाते हैं। 31 जनवरी से प्रारंभ हुआ यह 11 दिवसीय मेला 10 फरवरी तक संचालित किया जाएगा। मेले के दौरान प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।इसी क्रम में 6 फरवरी को संगीत कार्यक्रम एवं मलखम (इंडियाज गॉट टैलेंट) की टीम द्वारा विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। 7 फरवरी को मेला मंच पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें धार के प्रसिद्ध कवि जानी बैरागी, इंदौर के अतुल ज्वाला, उज्जैन के हिमांशु बवंडर, नीमच की डॉ. प्रेरणा ठाकरे, मेरठ के डॉ. शुभम त्यागी, दिल्ली की डॉ. बबीता पांडेय, मांडव के पंकज प्रसून चौधरी एवं रीवा के रूद्र प्रताप अपनी काव्य एवं व्यंग्य रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। इसी दिन नर्मदा महाविद्यालय में दिन में कबड्डी प्रतियोगिता भी आयोजित होगी। 8 फरवरी को दिन में बैलगाड़ी दौड़ प्रतियोगिता तथा 9 फरवरी को एसएनजी स्टेडियम में पारंपरिक दंगल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेशभर के पहलवान भाग लेंगे।

नपाध्यक्ष नीतू यादव ने की जनसुनवाई

पेंशन प्रकरण की जांच, स्वच्छता अभियान में गति लाने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा प्रति गुरूवार की तरह आज भी नपा में जनसुनवाई की गई। इस दौरान लोगों की समस्याओं के समाधान करने के निर्देश

दिए गए। साथ ही शाखा प्रभारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में जो भी शिकायतें और समस्याएं आती हैं उनका तत्काल प्रभाव से निराकरण करें। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर जनसुनवाई की शुरूआत की गई है जिससे नागरिकों को सीधा लाभ हो रहा है। आज सुनवाई में 10-12 आवेदन आए हैं। अधिकांश सफाई व्यवस्था, पानी निकासी और सीवरेज के कार्य से संबंधित शिकायतें थी। जिनका तत्काल निराकरण कराया गया हैं। वहीं दो पेंशन प्रकरण में जांच उपरांत निराकरण कराने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान उपयंत्री अंबक पाराशर, स्वच्छता निरीक्षक कमलेश तिवारी, राखी चौकसे, मंजू मालवीय, अर्चना मंडल, संदीप यादव सहित नपा का स्टाफ मौजूद रहा।

वन एवं भू-अर्जन से संबंधित मामलों के शीघ्र निराकरण पर करे विशेष फोकस : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

कलेक्टर ने विभागीय कार्यों एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा की

नर्मदापुरम (निप्र)। गुरुवार को कलेक्टर सोनिया मीना ने विभागीय कार्यों और लंबित प्रकरणों की समीक्षा की, जिसमें सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सभी शाखाओं में पंजीयों का सुव्यवस्थित संधारण

सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कर उसका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कलेक्टर कार्यालय की समस्त शाखाओं के कार्यों की वर्तमान प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक ओआईसी अपनी शाखाओं का नियमित निरीक्षण करें।कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जनसुनवाई के दौरान दर्ज शिकायतों का शीघ्र अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने एक वर्ष से अधिक पुरानी शिकायतों के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके लिए शिकायतों की स्क्रूटनी करने और शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके अलावा, ओआईसी (सीएम हेल्पलाइन) को लंबित शिकायतों पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया गया। समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने सभी ओआईसी को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि शिकायतें एल-3 या एल-4 स्तर तक न पहुंचे, इसके लिए जिला अधिकारियों को सख्त नियंत्रण रखने को कहा गया।

उन्होंने निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष पूर्ण से पूर्व शासन से प्राप्त बजट का सदुपयोग करें।बैठक में कलेक्टर ने समयमान वेतनमान से जुड़े प्रकरणों के शीघ्र निराकरण करने हेतु विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

रवीन्द्र पुस्तकालय एवं शोध संस्थान का शुभारंभ हुआ

पीएचडी करने वाले विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ, डॉ हंसा व्यास की ऐतिहासिक विरासत एवं पर्यटन पुस्तक का हुआ विमोचन

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदा चेतना संस्थान के वरिष्ठ समाजसेवी गोपीकांत घोष की वर्षों से दिली इच्छा थी कि एक ऐसी लाइब्रेरी बने जिसमें जरूरतमंद बच्चों को पीएचडी और शोध करने के लिए आसानी से पुस्तकें उपलब्ध हो सकें। उनके सपनों का पुस्तकालय बनाने में डॉ हंसा व्यास एवं कमलेश सक्सेना ने उनके मन की बात को उतनी ही गंभीरता से लेते हुए एक व्यवस्थित पुस्तकालय तैयार कर दिया। श्री घोष ने सैंकड़ों की संख्या में पुस्तकालय के लिए पुस्तकें उपलब्ध कराई हैं। सबसे अच्छी बात यह रही कि उनके खास मित्र अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पुरातत्वविद् हाल ही में जिन्हें पद्मश्री से विभूषित किया गया ऐसे डॉ नारायण व्यास डी लिट का आगमन हुआ। उनके मुख्याथित्य में पुस्तकालय का विधिवत लोकार्पण हुआ। इस मौके पर नई शिक्षा नीति पर आधारित डॉ हंसा व्यास की नई पुस्तक ऐतिहासिक विरासत एवं पर्यटन का विमोचन डॉ व्यास एवं अनेक विद्वानों के बीच हुआ। इस मौके पर डॉ व्यास ने भीम बैठका, रानी की बाव, सहित अन्य अनेक पुरातत्व से संबंधित जानकारी साझा की। इस अवसर पर डॉ केजी मिश्र, डॉ संतोष व्यास, श्री गार्गव, खेमचंद यादवेश, पत्रकार बलराम शर्मा, सुयष मिश्रा, डॉ कल्पना जी, पीएचडी करने वाले अनेक विद्यार्थी शामिल रहे।

बनखेड़ी में दो माह के अंदर तीसरी हत्या की वारदात

ग्राम चिल्लोद में हनुमानगढ़ी के पुजारी की सिर कुचलकर निर्मम हत्या

बनखेड़ी। नर्मदापुरम (निप्र)। जिने की बनखेड़ी तहसील के ग्राम चिलोद स्थित हनुमानगढ़ी के पुजारी की सिर कुचलकर निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। मंदिर में गुरुवार को पुजारी का खून से लथपथ शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पूरा क्षेत्र घटना की जानकारी मिलते ही स्तब्ध रह गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में क्षेत्र के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को पंचनामा की कार्रवाई कर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया। मृतक की पहचान शिव शंकर तिवारी पिता गुरबख्श तिवारी 45 वर्ष निवासी ग्राम मनकवाड़ा थाना बनखेड़ी के रूप में हुई है। प्रथम दृष्टया प्रारंभिक जांच के दौरान प्रतीत होता है कि मृतक के सिर पर डंडे पत्थर आदि से कई प्रहार किए गए हैं जिससे उसकी मौत हो गई घटना से ग्रामीणों में भय का माहौल व्याप्त हो गया है। वहीं ग्रामीणों में आक्रोश भी व्याप्त है थाना प्रभारी विजय सनस ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची मंदिर परिसर में मिले शव की पहचान शिव शंकर तिवारी के रूप में की गई है। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे। मामले की गहनता के साथ जांच की जा रही है। दोषियों को किसी भी स्थिति में बक्सा नहीं जाएगा पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है मंदिर परिसर व आसपास के क्षेत्र की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना अंतर्गत शिविर किया गया आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। सहायक श्रमायुक्त नर्मदापुरम संभाग नर्मदापुरम ने बताया कि गत दिवस माखन नगर में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत शिविर आयोजित किया गया, जिसमें ई-श्रम एवं प्रधानमंत्री श्रम योगी

मानधन योजना अंतर्गत पंजीयन कराए गए। शिविर में श्रम निरीक्षक सरिता साहू उपस्थित थीं।इस योजना के तहत असंगठित क्षेत्र में कार्यरत 18 से 40 वर्ष की आयु के व्यक्ति, जिनकी मासिक आय 15000 रुपये से अधिक नहीं है और जो आयकर दाता नहीं हैं, पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक और ई-श्रम कार्ड आवश्यक है। योजना के तहत मासिक अंशदान आयु अनुसार रु. 55/- से रु. 200/- तक होता है, और केंद्र सरकार भी समान अंशदान करती है। 60 वर्ष की आयु के बाद, हितग्राही को रु. 3000/- की आजीवन मासिक पेंशन मिलती है। हितग्राही की मृत्यु पर, पति/पत्नी को मासिक पेंशन रु. 1500/- की आजीवन मिलती है। पंजीयन प्रक्रिया कॉमन सर्विस सेंटर (लोक सेवा केंद्र) के माध्यम से की जा सकती है।

राज्यसभा सांसद द्वारा गहन शोक एवं श्रद्धांजलि

बच्चों की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कंचनबाई का त्याग नारी शक्ति, कर्तव्य और मानवता की अमर मिसाल — माया नारोलिया, राज्यसभा सांसद

नर्मदापुरम (निप्र)। नीमच जिले की मड़ावदा पंचायत के ग्राम रानापुर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में घटित अत्यंत दु:खद एवं हृदयविदारक घटना ने पूरे प्रदेश को गहरे शोक में डुबो दिया है। आंगनबाड़ी केंद्र में मधुमक्खियों के अचानक हुए हमले के दौरान मासूम बच्चों की रक्षा करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती कंचनबाई जी द्वारा प्रदर्शित साहस, संवेदनशीलता और बलिदान सम्पूर्ण समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने इस दु:खद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि कंचनबाई जी ने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए जिस नि:स्वार्थ भाव से बच्चों की रक्षा की, वह नारी शक्ति और मातृत्व की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है। उन्होंने अपने प्राणों की परवाह किए बिना बच्चों को तिरपाल से ढँककर सुरक्षित स्थान तक पहुँचाया। इस वीरतापूर्ण प्रयास में

वे स्वयं गंभीर रूप से घायल हो गईं और उपचार के दौरान उनका दु:खद निधन हो गया।माया नारोलिया ने कहा कि कंचनबाई जी केवल एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नहीं थीं, बल्कि वे समाज की संवेदनशील प्रहरी थीं। उनका यह सर्वोच्च बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा और आने वाली पीढ़ियों को कर्तव्य, साहस और सेवा की प्रेरणा देता रहेगा।राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने शासन-प्रशासन से मांग की कि कंचनबाई जी के इस महान बलिदान को सम्मानपूर्वक मान्यता दी जाए तथा उनके शोकसंतप्त परिवार को समुचित आर्थिक सहायता, अनुकंपा नियुक्ति, बच्चों की शिक्षा एवं भविष्य की सुरक्षा हेतु ठोस और स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों एवं शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पुनरावृत्ति न हो और महिला कर्मियों एवं मासूम बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकसंतप्त परिवार को यह अपार दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com